वर्ष : 17 ❖ अंक : 257 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
मंगलवार, 25 अप्रैल 2023

विकसित भारत के लिए गांव का विकसित होना जरूरी : पीएम मोदी 3 | विकास और तुष्टिकरण की सियासत के बीच मुकाबला : अमित शाह 8

'गांव में गवर्नर' कार्यक्रम के तहत मंगन पहुंचे राज्यपाल

राष्ट्र के विकास के लिए सभी हों एकजुट : राज्यपाल

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 24 अप्रैल । सिक्किम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य और प्रथम महिला, श्रीमती कुमुद देवी आज मंगन जिले में गांव में गवर्नर कार्यक्रम के तहत 5 दिवसीय दौरे पर डीएसी मंगन पहुंचे। इस दौरान विभिन्न विभागाध्यक्ष, लाभार्थियों और जन समुदाय की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में राज्यपाल का गार्ड ऑफ ऑनर के साथ स्वागत किया गया गया।

सभा को संबोधित करते हुए, राज्यपाल ने गर्मजोशी से स्वागत के लिए उपस्थित सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। इसके अलावा, उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के महत्व का उजागर करते हुए भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए जिम्मेदार नागरिक के रूप में प्रत्येक व्यक्ति की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों से सभी क्षेत्रों में राष्ट्र के विकास के उद्देश्य से आगे काम करने का आग्रह किया और राष्ट्र के विकास में किसानों की अपरिहार्य भूमिका पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने आगे राज्य के दूरस्थ गांवों में विकास लाने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

इससे पहले, संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों द्वारा विभिन्न विभागों के विभिन्न योजनाओं पर एक संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। माननीय राज्यपाल ने उपस्थित सभी लाभार्थियों के साथ व्यक्तिगत रूप से बातचीत भी की, जिसका उद्देश्य उनकी समस्याओं और कठिनाइयों को समझना और उनकी जरूरतों को भी समझना था। उन्होंने जिले के अधिकारियों से उन पहलों को अपनाने का भी आग्रह किया जो जिले के गांवों को आत्मनिर्भर बना सकें और यह भी सुनिश्चित करें कि योजनाएं और प्रोत्साहन जरूरतमंदों तक पहुंच सकें।

सिक्किम के राज्यपाल द्वारा जिलाधिकारी, मंगन को राष्ट्रीय ध्वज भेंट करने के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इसी कड़ी में राज्यपाल ने आज नागा में बूंगथिंग हाउस का दौरा किया। माननीय राज्यपाल का स्वागत समाज कल्याण अध्यक्ष निम छिरिंग लेप्चा, एसडीपीओ मंगन, एसडीएम जोंगू, बीडीओ मंगन, अधिकारियों, सरकारी माध्यमिक विद्यालय नागा के छात्रों और स्थानीय लोगों ने की।

इस दौरान, एसडीएम जोंगू, डॉ. सोनम रिनचेन लेप्चा ने लेप्चा जनजाति और बूंगथिंग के इतिहास पर एक संक्षिप्त विवरण दिया। राज्यपाल ने पास के पारंपरिक लेप्चा हाउस का दौरा भी किया। उन्होंने बूंगथिंग हाउस के दौरे को एक अद्भुत अनुभव बताते हुए लेप्चा जनजाति की प्राकृतिक पूजा-अर्चना पद्धति, संस्कृति, भोजन, कुछ अत्यंत महत्वपूर्ण वस्तुएं, और जगह की विशेषताओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

लेप्चा जनजाति प्रकृति पूजक है। वे उस परम शक्ति में दृढ़ विश्वास रखती है जो प्रकृति में विराजमान है और उनकी रक्षा करती है।

राज्यपाल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि अगर लेप्चा संस्कृति को समझना है तो बूंगथिंग हाउस एक सांस्कृतिक धरोहर है जहां उन्होंने अपनी संस्कृति और धर्म को बहुत ही सजीव रखा है। इसके बाद राज्यपाल लाचुंग पहुंचे जहां उनका स्वागत मंत्री/क्षेत्र के विधायक साम्दुप लेप्चा ने किया, जिसमें पिपोन लाचुंग, एडीसी चुंगथांग, एसडीएम चुंगथांग, बीडीओ चुंगथांग, एसडीपीओ चुंगथांग, राजस्व अधिकारी चुंगथांग और स्थानीय भी मौजूद थे।

लाचुंग को प्रकृति की गोद में बसा ईश्वर की अनुपम देन बताते हुए राज्यपाल ने गर्मजोशी भरे आतिथ्य सत्कार के लिए अपनी प्रसन्नता जाहिर की। अंत में लाचुंग आर्मी गेस्ट हाउस में राज्यपाल का स्वागत किया गया जहां सैनिक बंधुओं से मिलना जीवन का सौभाग्य बताते हुए दुर्गम क्षेत्रों और विषम परिस्थितियों में देश प्रति के समर्पण भाव को राज्यपाल ने सलाम किया।

अनुदान राशि का उचित तरीके से करें उपयोग : सीएम गोले

सीएमडीजी लाभार्थियों को मुख्यमंत्री ने दिया अनुदान

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 24 अप्रैल । सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने आज स्थानीय मनन केंद्र में मुख्यमंत्री विवेकाधीन अनुदान (सीएमडीजी) कार्यक्रम के तहत कई लाभार्थियों को अनुदान वितरित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव जैकब खालिंग, सीएम कार्यालय सचिव एसडी ढकाल एवं मुख्यमंत्री के प्रधान निजी सचिव रंजन राई के अलावा विभागीय सलाहकार, अध्यक्ष एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

इस दौरान अपने संबोधन में मुख्यमंत्री गोले ने अनुदान प्राप्त करने वाले सभी लाभान्वितों को बधाई देते हुए उनसे अनुदान राशि का उचित उपयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की योजना का उद्देश्य प्रगतिशीलता एवं समृद्धि के साथ राज्य में परिवर्तन लाते हुए विकास करना है।

उन्होंने सरकार की विभिन्न विशेषकर महिला केन्द्रित योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए उन्हें काफी सफल बताया। उन्होंने कहा कि सरकार ने छात्रों के लिए विभिन्न विकास प्रशिक्षण प्रदान किए हैं और सरकार अंतर-जिला कॉलेज के छात्रों को समर्थन देने के लिए कुछ धनराशि प्रदान करेगी।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने लाभार्थियों को मुख्यमंत्री छात्रवृत्ति, उद्यमिता अनुदान, गैर सरकारी संगठनों को सहायता अनुदान, कम्प्यूटर सेट, लैपटॉप और चिकित्सा अनुदान के लिए कुल 416 चेक भेंट किए। वहीं, पारंपरिक उपकरणों की खरीद के लिए बीडीओ पाकिम को भी अनुदान दिया गया।

स्कूली छात्रा की दुष्कर्म के बाद हत्या की सीएम गोले ने की निंदा, कहा- कानून इस मामले में कर रहा है अपना काम

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 24 अप्रैल । मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने 23 अप्रैल को एक ड्राइवर द्वारा 11 वर्षीय लड़की के दुष्कर्म और हत्या के जघन्य अपराध की निंदा की और कहा कि सिक्किम पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधी को पकड़कर एक सराहनीय काम किया है।

सीएम तमांग 23 अप्रैल को एक बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में बोल रहे थे जहां उन्होंने यह टिप्पणी की। सीएम गोले ने आगे कहा, कोई भी व्यक्ति अपराध करने से पहले पुलिस से अनुमति नहीं लेता है। जैसे ही यह घटना सामने आई मैंने व्यक्तिगत रूप से पूछताछ की और सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद हमारा विशेष पुलिस बल कार्रवाई में जुट गया।

आरोपी को सजा पर बोलते हुए सीएम गोले ने कहा, चूंकि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, अब कानून अपना काम करेगा। सरकार के हिस्से के रूप में हमारा काम आरोपी को गिरफ्तार करना है अब अदालत उसे कानून के अनुसार सजा देगी। उन्होंने यह भी कहा कि अपराध तो हो जाता है लेकिन अपराध के लिए पूरी तरह से सरकार को दोष देना उचित नहीं है।

मामले को सुलझाने में राज्य पुलिस बल और प्रशासन के प्रयासों की सराहना करते हुए सीएम गोले ने कहा कि पुलिस और प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से अपराधी को पकड़ लिया गया है।

सीएम गोले ने कहा, सिक्किम पुलिस का काम उस शीर्ष रैंकिंग को सही ठहराता है जो उन्हें उत्तर पूर्व राज्यों के बीच प्रदान की गई है। एक गुरुजी (चालक) संजीव गुरुंग की बुद्धिमत्ता की सराहना करते हुए, जिनके इनपुट ने भी अभियुक्तों की त्वरित गिरफ्तारी में मदद की, सिक्किम सरकार उन्हें एक टैक्सी बोलेरो से सम्मानित करेगी।

पर्यटन के मौसम राजधानी गंगटोक में पानी की किल्लत

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 24 अप्रैल । व्यस्त पर्यटन मौसम के दौरान ही सिक्किम की राजधानी गंगटोक में पिछले पांच दिनों तक पेयजल आपूर्ति ठप होने के कारण पानी की काफी किल्लत देखी जा रही है। इससे स्थानीय लोगों एवं पर्यटकों को खासी परेशानी उठानी पड़ रही है। इसी बीच पीएचई विभाग से मिली जानकारी के अनुसार कल से जलापूर्ति बहाल कर दी जाएगी। गौरतलब है कि गंगटोक में पानी की आपूर्ति हेतु एकमात्र स्रोत राटेचू जलापूर्ति पाइपलाइन के बीते 19 अप्रैल को बादल फटने से क्षतिग्रस्त होने से पेयजल आपूर्ति बाधित हो गई थी। गंगटोक में रोजाना 15-16 मिलियन लीटर पानी की खपत होती है जो कि व्यस्त पर्यटन मौसम के दौरान बढ़ कर 20 मिलियन लीटर तक पहुंच जाती है।

पीएचई विभाग के पीसीई एवं सचिव बिंदेश्वरी प्रसाद ने कहा कि आज 14 इंच की एक पाइप लाइन बिछा कर सेलेप में पानी की आपूर्ति की गई है। ऐसी ही एक और पाइप बिछाने का काम आज लगभग पूरा हो गया है और कल तक गंगटोक में भी पानी की आपूर्ति बहाल हो सकती है। वहीं, यह पूछे जाने पर कि इस तरह की समस्या पहली बार नहीं आई है और विभाग ने अब तक इसका स्थायी समाधान क्यों नहीं किया है, सचिव प्रसाद ने कहा कि हम उत्तर सिक्किम में बी2 नदी से वैकल्पिक जल स्रोत हेतु शहरी विकास मंत्रालय को पहले ही अपनी डीपीआर सौंप चुके हैं। फिलहाल हम अगले चरण की प्रतीक्षा में हैं।

उल्लेखनीय है कि पेयजल आपूर्ति के बाधित होने से गंगटोक में लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा। काफी सारे लोगों को पीने का पानी खरीदना पड़ा, वहीं प्रशासन की ओर से पानी का वितरण भी किया गया। इतना ही नहीं, पानी लाने के लिए लोगों को लोग देर रात एवं तड़के आसपास के झोरों पर भी देखे गए। दूसरी ओर, पेयजल की कमी से स्थानीय होटल व्यवसायियों को भी खासी समस्या का सामना करना पड़ा है। उन्हें अपने मेहमानों को पानी की सुविधा प्रदान करने के लिए मोटी रकम खर्च कर पानी की व्यवस्था करनी पड़ी है।

भ्रमित हुए बिना आगे बढ़ें पार्टी कार्यकर्ता : गणेश राई

प्रकाश पराजुली ने छोड़ा अध्यापन का पेशा, सिटीजन एक्शन पार्टी में हुए शामिल

अनुगामिनी नि.सं.

गेजिंग, 24 अप्रैल। 2019 में तदर्थ शिक्षकों के आंदोलन का नेतृत्व करने वाले मानेबुंग-देंताम के सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश पराजुली ने अध्यापन का पेशा छोड़ राजनीति में प्रवेश करते हुए सिटीजन एक्शन पार्टी का दामन थाम लिया है। सोमवार को गेजिंग सामुदायिक भवन में आयोजित कार्यक्रम में प्रकाश पराजुली सिटीजन एक्शन पार्टी में शामिल हुए। उनके साथ ही पाकिम जिलान्तर्गत डुगालाखा निवासी टीकाराम नेपाल ने भी सरकारी नौकरी छोड़कर सीएपी में शामिल हो गए हैं।

गौरतलब है कि राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर सिटीजन एक्शन पार्टी ने आज गेजिंग में 'अब सुधार के लिए राजनीति' के नारे के साथ एक कार्यक्रम आयोजित किया था। पार्टी के अनुसार, इस अवसर पर पश्चिम सिक्किम के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों के 100 से अधिक लोग भी पार्टी में शामिल हुए हैं। आज सिटीजन एक्शन पार्टी के मुख्य समन्वयक गणेश राई ने खादा पहना कर प्रकाश पराजुली का पार्टी में स्वागत किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिटीजन एक्शन पार्टी के मुख्य समन्वयक गणेश कुमार राई ने पार्टी कार्यकर्ताओं से किसी भी स्थिति में भ्रमित न होकर आगे बढ़ने रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सिक्किम मां लुटने की स्थिति में है और सिटीजन एक्शन पार्टी को इसे बचाना होगा, उन्होंने कहा कि जो लोग नए विश्वास के साथ पार्टी में शामिल हुए हैं उनके साथ विश्वासघात नहीं किया जाएगा। सिक्किम की सभी पंचायतों को राष्ट्रीय पंचायती राज की शुभकामना देते हुए उन्होंने कहा कि एसकेएम पार्टी पंचायत में सुधार के नाम पर सत्ता में पहुंची और उसका सारा अधिकार छीन लिया। उन्होंने पंचायती राज दिवस नहीं मनाने पर सरकार की आलोचना की।

इस अवसर पर पराजुली ने राजनीति को इच्छा की बजाय एक जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि अब सिक्किम के इतिहास को मुड़ कर देखने और जिम्मेदारीपूर्वक समीक्षा करने का समय आ गया है। उन्होंने यह विश्वास व्यक्त किया कि पार्टी इस क्षेत्र में काम करेगी। उन्होंने कहा कि वह लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए सिटीजन एक्शन पार्टी में शामिल हुए हैं, कई सामाजिक आंदोलनों के बावजूद वह राज्य के लोकतांत्रिक स्तर को मजबूत नहीं कर सके हैं।

उन्होंने कहा, सिक्किम में अब दम घुटने लगा है, लोगों के मुंह बंद हैं और उन्हें आपस में लड़ा कर समाज को मुख्य मुद्दे से भटकाया जा रहा है। इससे उबरने के लिए समाज को नई दिशा देना जरूरी है। इसके साथ ही उन्होंने वर्तमान सरकार को लोकतांत्रिक मूल्यों की हत्या नहीं करने के लिए सतर्क किया। ऐसे में उन्होंने विश्वास जताया है कि सिटीजन एक्शन पार्टी सिक्किम में मौजूदा स्थिति से उबरने के लिए काम करेगी।

वहीं सरकारी नौकरी छोड़ सिटीजन एक्शन पार्टी में शामिल हुए टीकाराम नेपाल ने भी बदलाव का नारा देते हुए कहा कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल में किसी भी क्षेत्र में कोई बदलाव नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि एसकेएम ने बदलाव का समर्थन करने वालों को इस्तेमाल कर फेंक दिया है। ऐसे में अब सिक्किम के भविष्य को देखते हुए सभी को एकजुट होने की जरूरत है। इसके साथ ही उन्होंने राज्य के एकमात्र लोकसभा सांसद इंद्रहांग सुब्बा को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि सिक्किम के लिए वह कुछ नहीं कर सके हैं।

कार्यक्रम को जिला पंचायत सदस्य देवराज राई और सीएपी उपाध्यक्ष पीपी शर्मा ने भी सम्बोधित किया। राई ने कहा कि सिक्किम के पंचायती राज में पंचायतों के संवैधानिक अधिकारों को सुनिश्चित करने में पूर्व और वर्तमान दोनों सरकारें विफल रही हैं। साथ ही उन्होंने 2024 में सिटीजन एक्शन पार्टी द्वारा सरकार बनाने का दावा भी किया। वहीं पीपी शर्मा ने कहा कि मौजूदा एसकेएम सरकार के विफल रहने पर सिटीजन एक्शन पार्टी का सरकार बनाना आवश्यक हो जाता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार ने सारी नौकरियां बाहरी लोगों को दे दी हैं और राज्य की वित्तीय स्थिति काफी खराब है। ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक स्थिति चरमरा गई है।

अब उपद्रव और माफिया नहीं, बल्कि महोत्सव है यूपी की पहचान : योगी

लखनऊ, 24 अप्रैल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को विपक्ष की पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि अब उपद्रव एवं माफिया नहीं बल्कि उत्सव एवं महोत्सव उत्तर प्रदेश की पहचान है।'

मां शाकंभरी और बाला सुंदरी की पवित्र भूमि सहारनपुर से सोमवार को नगर निकाय चुनाव प्रचार की शुरुआत करते हुए योगी आदित्यनाथ ने चुनावी जनसभा में अपनी सरकार की सिलसिलेवार उपलब्धियां गिनाईं और ''रंगदारी न फिरौती, अब यूपी नहीं किसी की बपौती'' और ''आज यूपी में न कर्फ्यू न दंगा, आज यूपी में सब ओर चंगा'' जैसे नारे दिये।''

उन्होंने कहा, ''अब उपद्रव नहीं, उत्सव हमारी पहचान है, माफिया नहीं, महोत्सव हमारी पहचान है।''

उन्होंने पिछली सरकारों पर आरोप लगाते हुए कहा, ''2017 से पहले सरकारों को दंगा कराने से फुर्सत नहीं थी लेकिन आज उत्तर प्रदेश में कहीं कर्फ्यू नहीं लगता। अब तो कांवड़ यात्रा निकलती है। पहले नौजवानों पर झूठे मुकदमे होते थे। पहले शोहदों का आतंक रहता था और बेटियां घर से निकलने में डरती थी और आज उत्तर प्रदेश में भयमुक्त माहौल है।''

उन्होंने कहा कि यह चुनाव डबल इंजन की सरकार के साथ तीसरे इंजन को जोड़ने के लिए हो रहा है जिसमें नगर निगमों के महापौर, पार्षद, नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के अध्यक्षों और सभासदों को कमल निशान पर मत देकर चुनाव जिताना है और जब बहुमत का उनका बोर्ड बनेगा तो दिल्ली से जो पैसा आएगा उसका सदुपयोग होगा।''

उन्होंने कहा, ''हमें तय करना है कि हमें 2017 के पहले की जातिवादी सरकारें चाहिए या फिर गरीब कल्याण के लिए समर्पित सरकार चाहिए।'' उन्होंने कहा कि ''हमें तय करना होगा कि युवाओं के हाथ में तमंचे हों या युवाओं के हाथ में टैबलेट और स्मार्टफोन हो। हमें तय करना है कि गलियों में अपराधियों की गोलियों की तड़तड़ाहट होनी चाहिए या फिर भजन गंगा का प्रवाह सुनाकर लोगों के जीवन में परिवर्तन।''

योगी आदित्यनाथ ने कहा, मां शाकंभरी का आशीर्वाद मिले, मैं इसलिए यहां से चुनाव प्रचार की शुरुआत कर रहा हूं। हमने जाति, मजहब या किसी का चेहरा देखे बिना सभी तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सहारनपुर विकास की एक नई आभा के साथ देश और दुनिया के सामने चमकता हुआ दिखाई दे रहा है। उन्होंने सहारनपुर के लिए विकास योजनाओं को भी विस्तार से बताया।

गुरुग्राम में आईपीएल मैच पर सट्टेबाजी करने वाले पांच आरोपी गिरफ्तार

राजेश अलख

गुरुग्राम, 24 अप्रैल। गुरुग्राम पुलिस की साइबर अपराध शाखा (पूर्व) की एक टीम ने आईपीएल क्रिकेट मैच पर सट्टा लगाने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने सोमवार को ये जानकारी दी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान तुषार उर्फ रोमी, विपिन कुमार गुप्ता, जितेंद्र कुमार सोलंकी उर्फ बोलू, रविंदर ठकरान और जितेंद्र उर्फ टीले के रूप में हुई है।

आरोपियों को सेक्टर-53 थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है।

गुरुग्राम पुलिस के प्रवक्ता सुभाष बोकेन ने कहा, खास जानकारी के आधार पर, पुलिस ने मौके पर छापा मारा और आरोपियों को तब पकड़ा जब वे किंग्स इलेवन पंजाब और मुंबई इंडियंस के बीच खेले जा रहे आईपीएल मैच पर सट्टा लगा रहे थे।

पुलिस ने उनके कब्जे से 14 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, एक टैबलेट, चार एलईडी टीवी और एक इंटरनेट मॉडम और 32,710 रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, छापे के दौरान उन्होंने देखा कि एक आरोपी एक रजिस्टर में खेल के बारे में कुछ लिख रहा है, जबकि उसके साथी ने फोन पर दरों के बारे में बताया।

हमने उनके कब्जे से एक डायरी भी बरामद की, जिसमें संकेत दिया गया था कि संदिग्ध का नेटवर्क कोलकाता से जुड़ा था। वे विभिन्न मोबाइल ऐप के जरिए करोड़ों रुपये की सट्टेबाजी में शामिल थे।

संदिग्धों के खिलाफ गुरुग्राम के सेक्टर-53 थाने में जुआ अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

ग्रामीण क्षेत्र के विकास में पंचायतों की भूमिका महत्वपूर्ण : विधायक शर्मा

अनुगामिनी नि.सं.

पाकिम, 24 अप्रैल। राष्ट्रीय पंचायत दिवस के उपलक्ष्य पर आज ग्रामीण विकास विभाग के अतिरिक्त जिला कलेक्टर (विकास) कार्यालय द्वारा स्थानीय सामुदायिक भवन में जिलास्तरीय समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रेनॉक विधायक विष्णु खतिवाड़ा एवं नाम्चेबुंग विधायक एम प्रसाद शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके अलावा, जिलाध्यक्ष श्रीमती लादेन ल्हामू भूटिया एवं उपाध्यक्ष श्रीमती प्रभा प्रधान भी इसमें शामिल हुए। कार्यक्रम के एक हिस्से के तौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के बढ़ावे हेतु चलाये गये स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण पर एक जागरूकता कार्यक्रम भी किया गया।

इस अवसर पर नाम्चेबुंग विधायक एम प्रसाद शर्मा ने ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में पंचायतों के महत्व पर जोर देते हुए पंचायत सदस्यों से आमलोगों की बेहतरी हेतु प्रयास करने तथा चुनौतियों के समाधान का आग्रह किया। इसके अलावा उन्होंने सतत विकास के महत्व पर प्रकाश डाला और ग्रामीण युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने के साथ जिले में आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था की दिशा में कौशल विकास की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

वहीं रेनॉक विधायक विष्णु खतिवाड़ा ने अपने संबोधन में ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाने और विकास प्रक्रिया में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने में पंचायती राज प्रणाली के मूल्य पर चर्चा की। उन्होंने जिले में पंचायती राज व्यवस्था की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला और सभी से इसे और मजबूत करने की दिशा में काम करने का आग्रह किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने राज्य में अपराधों के बारे में लोगों को शिक्षित करने की आवश्यकता पर भी बात की।

कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष प्रभा प्रधान, रेनॉक ब्लॉक पंचायत सदस्य रमेश शर्मा और केके राय ने भी वक्तव्य रखा। प्रधान ने जिला एवं ग्राम पंचायतों के कार्यों की सराहना करते हुए पंचायतों से समाज के लाभ हेतु सहयोग करने, सार्थक परियोजनाएं शुरू करने और चिकित्सा जरूरतों हेतु धन उपलब्ध कराने वाली सरकारी योजनाओं में योगदान देने का आग्रह किया।

इस अवसर पर जिले के विकास में उल्लेखनीय योगदान हेतु जिलाध्यक्ष, उपाध्यक्ष, जिला एवं ग्राम पंचायतों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष सोनम शेरपा, अध्यक्ष संतोष प्रधान, सलाहकार इनचुंग भूटिया, सेवानिवृत्त डीआईजी शेरिंग भूटिया, डीसी ताशी चोफेल, एडीसी विकास रॉबिन सेवा, रंगली एसडीएम डीएस सुब्बा, शिक्षा सीईओ एडी छेत्री, जिला व वार्ड पंचायत सदस्यों के अलावा डुगा, रेनॉक, पाकिम, रेगु और पारखा के बीडीओ सहित अन्य विभागीय अधिकारी शामिल रहे।

जगन रेड्डी की बहन और वाईएसआरटीपी की नेता शर्मिला ने पुलिसवालों पर बरसाए थप्पड़, हिरासत में

हैदराबाद, 24 अप्रैल (एजेंसी)। वाईएसआर तेलंगाना पार्टी (वाईएसआरटीपी) की नेता वाईएस शर्मिला ने सोमवार को कथित तौर पर उस समय एक पुलिसकर्मी को थप्पड़ मार दिया जब पुलिस ने हैदराबाद में उसके घर के बाहर उन्हें हिरासत में लेने की कोशिश की।

शर्मिला ने कथित तौर पर जुबली हिल्स में लोटस पॉन्ड स्थित अपने आवास के बाहर एक महिला पुलिसकर्मी को थप्पड़ मारा और एक पुरुष पुलिस अधिकारी को धक्का दे दिया। पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया और जुबली हिल्स थाने ले गई।

वाईएसआरटीपी नेता के पुलिस कर्मियों के साथ बहस और हाथापाई करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

हालांकि वीडियो में वह महिला कॉन्स्टेबल को थप्पड़ मारती हुई साफ नजर नहीं आ रही हैं, लेकिन महिला पुलिसकर्मी अपना गाल पकड़े दिख रही हैं।

यह घटना तब हुई जब पुलिस ने शर्मिला को तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) परीक्षा पेपर लीक मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) से मिलने के लिए घर से निकलने से रोक दिया। उन्होंने पूछा कि उन्हें नजरबंद क्यों किया जा रहा है। इस बात को लेकर पुलिस अधिकारियों के साथ उनकी बहस हो गई। वह विरोध स्वरूप अपने घर के सामने सड़क पर बैठ गईं।

जब पुलिस कर्मियों ने उसे हिरासत में लेने की कोशिश की, तो उन्होंने विरोध किया। इसके बाद, सड़क पर चलते हुए उन्होंने पुलिस पर चिल्लाकर अपना गुस्सा निकाला और उनमें से एकाध के साथ हाथापाई भी की।

शर्मिला ने आरोप लगाया कि तेलंगाना में लोकतंत्र नहीं है। उन्होंने पूछा कि क्या उन्हें लोगों के मुद्दों पर बोलने के लिए भी अदालत की अनुमति की आवश्यकता है।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी की बहन शर्मिला ने कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर वाई.एस. राजशेखर रेड्डी की बेटी से डरते हैं।

वाईएसआरटीपी नेता ने कहा कि अगर केसीआर ईमानदार हैं, तो उन्हें पेपर लीक की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से कराने का आदेश देना चाहिए।

हाल के महीनों में विरोध-प्रदर्शन करने के लिए शर्मिला को पुलिस ने कई बार गिरफ्तार किया है। एक मौके पर जब शर्मिला विरोध करने के लिए, मुख्यमंत्री आवास की ओर जा रही थीं तो पुलिस उनकी कार को खींच कर ले गई जबकि शर्मिला कार के अंदर ही बैठी थीं।

१२ दिनों में मणिपुर के चौथे बीजेपी एमएलए ने सरकार पद से इस्तीफा दिया

इंफाल, 24 अप्रैल (एजेंसी)। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के खिलाफ भाजपा विधायकों के एक वर्ग के बीच नाराजगी बढ़ने के साथ ही सत्तारूढ़ पार्टी के एक अन्य विधायक रघुमणि सिंह ने सोमवार को मणिपुर नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (एमएनआरईडीए) के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया।

नौकरशाह से नेता बने सिंह भाजपा के चौथे विधायक हैं जिन्होंने दो सप्ताह से भी कम समय में अपना सरकारी पद छोड़ दिया है, उनका दावा है कि उन्हें कार्य करने के लिए उचित जिम्मेदारी, धन या अधिकार नहीं दिया गया था। सिंह, जो पिछले साल के चुनाव में उरीपोक विधानसभा क्षेत्र से विधायक के रूप में चुने गए थे, उन्होंने मुख्यमंत्री को लिखे अपने त्याग पत्र में कहा: व्यक्तिगत कारणों से और जनहित में भी, यह महसूस किया गया है कि इस समय एमएनआरईडीए के अध्यक्ष के रूप में मेरे बने रहने की आवश्यकता नहीं है। इसलिए, मैं अध्यक्ष पद से अपना त्यागपत्र देता हूं और उसे कृपया स्वीकार किया जाए।

इससे पहले, भाजपा विधायक थोकचोम राधेश्याम और करम श्याम ने क्रमश: 17 अप्रैल और 13 अप्रैल को मुख्यमंत्री के सलाहकार और मणिपुर राज्य पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। दोनों ने पहली बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार (2017-2022) में मंत्री के रूप में कार्य किया था।

एक वीडियो क्लिप में श्याम ने कहा था- एक नेता को अनुयायियों को धमकाने के बजाय प्रतिबद्ध और ईमानदार होना चाहिए। अगर इस तरह की धमकियां बार-बार आती हैं, तो अनुयायियों के बीच विद्रोह का विस्फोट होना जरूरी है..मणिपुर भ्रष्टाचार मुक्त राज्य बन रहा है, लेकिन भ्रष्टाचार केवल देने वाले और लेने वाले को पता है।

20 अप्रैल को, पौनम ब्रोजेन सिंह ने मणिपुर डेवलपमेंट सोसाइटी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। जानकार सूत्रों ने कहा कि कुछ और असंतुष्ट भाजपा विधायकों के अपने संबंधित सरकारी पद छोड़ने की संभावना है और अब केंद्रीय पार्टी नेतृत्व के साथ लॉबिंग कर रहे हैं और मणिपुर के मामलों में हस्तक्षेप करने की मांग कर रहे हैं।

नाराज विधायकों में कुछ कुकी विधायक भी शामिल हैं, जो कथित तौर पर समुदाय को निशाना बनाने वाले बेदखली अभियान से नाखुश हैं। मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने रविवार को दावा किया था कि विधायकों के बीच कोई मतभेद और नाराजगी नहीं है।

निकाय चुनाव के लिए टिकट बंटवारे को लेकर बीजेपी कार्यकर्ताओं में मारपीट

गाजियाबाद, 24 अप्रैल (एजेंसी)। गाजियाबाद में सोमवार को निकाय चुनाव के लिए टिकट कटने से नाराज भाजपा कार्यकर्ताओं में जमकर मारपीट हुई। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के आने से पहले मेयर प्रत्याशी सुनीता दयाल के चुनाव कार्यालय पर कार्यकर्ता एक-दूसरे से भिड़ गए। कहासुनी के बाद लात-घूसे भी चले। पुलिस ने किसी तरह से मामला शांत कराया।

वहीं, भाजपा विधायक अजीत पाल त्यागी के कैंप कार्यालय पर कार्यकर्ताओं ने हंगामा किया। काफी जद्दोजहद के बाद मामला शांत हुआ। दोनों ही जगहों पर करीब 3 घंटे तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

मामले का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि कार्यकर्ता एक-दूसरे से मारपीट कर रहे हैं। साथ ही गाली-गलौच भी कर रहे हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पुलिसकर्मी मामले को शांत कराने का प्रयास कर रहे हैं।

मेयर प्रत्याशी का नामांकन कराने के लिए सोमवार को डिप्टी सीएम बृजेश पाठक आने वाले थे। इससे पहले भाजपा के महानगर प्रभारी अमित वाल्मीकि, महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा समेत कई विधायक और तमाम वरिष्ठ पदाधिकारी मेयर के चुनाव कार्यालय पर इकट्ठा थे। इसी दौरान टिकट कटने से नाराज कार्यकर्ता वहां पहुंचने शुरू हो गए।

इसी बीच सांसद जनरल वीके सिंह और साहिबाबाद विधायक सुनील शर्मा के पक्ष के कार्यकर्ता भी आ गए। ये वे लोग थे, जो भाजपा से पार्षद का टिकट चाहते थे, लेकिन ऐन वक्त पर नाम कट गया। या फिर ये लोग उस प्रत्याशी से नाराज थे, जिसका टिकट फाइनल हुआ है। इन कार्यकर्ताओं ने महानगर प्रभारी अमित वाल्मीकि को खूब खरी-खोटी सुनाई।

एक कार्यकर्ता ने आरोप लगाया कि जो प्रत्याशी दिल्ली में रहता है, उसे राजनगर एक्सटेंशन इलाके से टिकट दिया गया है। ऐसे में हम बाहरी प्रत्याशी को कैसे स्वीकार कर सकते हैं। एक अन्य कार्यकर्ता ने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का नाम लेकर टिकट बांटने में जेबें भर गई हैं। ऐसा कई वार्डों में हुआ है। इधर, विधायक अजीत पाल त्यागी के कैंप कार्यालय पर हंगामा कर रहे कार्यकर्ताओं का कहना था कि जबसे खोड़ा चेयरमैन सीट पर रीना भाटी का टिकट हुआ है, तबसे वे पार्षद दावेदारों के नाम कटवाए जा रहे हैं। अब तक तीन नाम कटवाए जा चुके हैं और छह नाम होल्ड करवा दिए हैं। आरोप लगाया कि ये सब विधायक अजीतपाल त्यागी के इशारे पर हो रहा है। यहां विधायक के सुरक्षाकर्मियों ने दोनों पक्षों को बामुश्किल अलग किया।

भाजपा आलाकमान की दो टूक - मिशन साउथ की कामयाबी के लिए चुनाव जीतना जरूरी

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसी)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में इस बार कई बड़े और दिग्गज नेताओं की बगावत से परेशान भाजपा अब भीतरघात और टिकट नहीं मिलने वाले नेताओं की निष्क्रियता की आशंका को लेकर भी सतर्क हो गई है। भाजपा की कोशिश है कि जो भी नेता पार्टी में हैं, वे पूरी ताकत और इच्छा के साथ पार्टी द्वारा घोषित उम्मीदवारों को जिताने के लिए काम करें।

इसलिए पार्टी आलाकमान ने कर्नाटक नेताओं को दो टूक अंदाज में यह सख्त संदेश दे दिया है कि मिशन साउथ को कामयाब बनाने के लिए भाजपा का कर्नाटक चुनाव जीतना बहुत जरूरी है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, पार्टी के टॉप थ्री नेताओं में से एक दिग्गज नेता और चुनावी रणनीतिकार ने उम्मीदवारों की घोषणा हो जाने के बाद हाल ही में कर्नाटक भाजपा नेताओं और चुनावी मिशन में लगे नेताओं की उच्चस्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए स्पष्ट तौर पर पार्टी आलाकमान की सोच से अवगत कराते हुए यह बता दिया कि इस वर्ष के अंत तक होने वाले पड़ोसी राज्य तेलंगाना में के. चन्द्रशेखर राव की सरकार को हराने के लिए भाजपा का कर्नाटक जीतना बहुत जरूरी है। उन्होंने यह साफ तौर पर कहा कि पार्टी के मिशन साउथ को देखते हुए कर्नाटक का यह चुनाव 'अति महत्वपूर्ण' हो गया है।

पार्टी के सूत्रों की मानें तो सिटिंग विधायकों के टिकट काटने के पार्टी के फैसले को पूरी तरह से उचित ठहराते हुए इन दिग्गज नेता ने बैठक में यह भी कहा कि कुछ सिटिंग विधायकों का टिकट काटना बहुत जरूरी था। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अगर इस बार कर्नाटक का यह चुनाव जीत गए तो फिर भाजपा के लिए दक्षिण का रास्ता स्थायी तौर पर हमेशा के लिए खुल जाएगा।

बता दें कि दक्षिण भारत के राज्यों में कर्नाटक को भाजपा के लिए सबसे मजबूत राज्य माना जाता है, जहां वो पहले भी कई बार सरकार बना चुकी है और अभी भी राज्य की सत्ता में है। अगले वर्ष 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा के लिए कर्नाटक के साथ-साथ दक्षिण भारत के अन्य राज्य- तेलंगाना, तमिलनाडु, केरल और आंध्र प्रदेश काफी महत्वपूर्ण हो गए हैं।

गौरतलब है कि दक्षिण भारत के कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और पुडुचेरी में मिलाकर लोकसभा की कुल 130 सीटें हैं, जिनमें से भाजपा के पास फिलहाल 29 सीटें ही हैं और इसमें से भी 25 सीटें उसे अकेले कर्नाटक से ही मिली है, जबकि तेलंगाना से उसके पास चार सांसद है। यही वजह है कि पार्टी कर्नाटक के गढ़ को मजबूत बनाए रखने के साथ ही दक्षिण भारत के अन्य राज्यों में भी पार्टी का खाता खोलने की पुरजोर कोशिश कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों को कोरोना, अतीक-अशरफ हत्या की जांच संबंधी याचिका पर सुनवाई शुक्रवार को

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट गैंस्टर से राजनेता बने अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या की जांच संबंधी याचिका पर सुनवाई के लिए सोमवार को सहमत हो गया। हालांकि उसने कहा है कि पांच जजों को कोरोना होने के कारण वे उपलब्ध नहीं है और इसलिए सुनवाई शुक्रवार को होगी।

याचिका में 15 अप्रैल को हुई दोनों भाइयों की हत्या की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में समिति के गठन का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है।

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने मामलों के उल्लेख के समय वकीलों को बताया कि पांच जजों को कोरोना संक्रमण हो गया है।

उन्होंने कहा, चूंकि पांच जज उपलब्ध नहीं हैं, कुछ मामले जिनकी सुनवाई की तारीख दी गई थी उन्हें सूची में शामिल नहीं किया गया है। हम उन्हें शुक्रवार की सूची में शामिल करने की कोशिश करेंगे।

अधिवक्ता विशाल तिवारी ने अतीक-अशरफ हत्याकांड में निष्पक्ष विशेषज्ञ समिति से जांच की मांग संबंधी याचिका दायर की है। साथ ही उन्होंने 2017 से अब तक उत्तर प्रदेश में हुए 183 एनकाउंटर की जांच की भी मांग की है।

तिवारी ने सोमवार को सुनवाई के लिए याचिका का उल्लेख पीठ के समक्ष किया जिसमें न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा भी शामिल हैं।

अतीक और अशरफ अहमद को 15 अप्रैल को तीन हमलावरों ने उस समय गोली मार दी थी जब पुलिसकर्मी उन्हें प्रयागराज के एक मेडिकल कॉलेज में जांच के लिए ले जा रहे थे। तीनों पत्रकार के रूप में वहां आए थे।

याचिकाकर्ता ने पुलिस हिरासत में हुई हत्याओं की जांच की भी मांग की और जोर देकर कहा कि पुलिस द्वारा इस तरह की हरकतें लोकतंत्र और कानून-व्यवस्था के लिए एक गंभीर खतरा है और पुलिसिया शासन की ओर ले जाता है।

याचिका में कहा गया है कि न्यायिक आदेशों से इतर हत्याओं या फर्जी पुलिस मुठभेड़ों का कानून में कोई स्थान नहीं है। एक लोकतांत्रिक समाज में पुलिस को अंतिम न्याय देने का एक जरिया बनने की अनुमति नहीं दी जा सकती, क्योंकि सजा की शक्ति केवल न्यायपालिका में निहित है।

सीएम धामी ने किया चारधाम यात्रा मार्गों पर 50 हेल्थ एटीएम का लोकार्पण

देहरादून, 24 अप्रैल (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि चारधाम यात्रा के दौरान यात्रियों को सुलभ और अच्छी स्वास्थ्य सुविधाओं उपलब्ध करवाने के लिए राज्य सरकार व स्वास्थ्य विभाग गंभीरता से कार्य कर रहे हैं। यात्रा मार्गो व दूरदराज क्षेत्रों में लगाए जा रहे हेल्थ एटीएम यात्रियों तथा स्थानीय जनता के लिए अत्यन्त लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं।

हेल्थ एटीएम तकनीक लोगों को सुलभ और सस्ती प्राथमिक और निवारक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए चिकित्सा पेशे में सबसे महत्वपूर्ण विकासों में से एक है। यह शहरी और ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा के बीच की खाई को पाटने जा रहा है और दूरस्थ क्षेत्रों में लोगों के समग्र स्वास्थ्य में सुधार करेगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास में चारधाम यात्रा मार्गों पर एचपीई कम्पनी के सीएसआर के तहत प्रदान किये जाने वाले 50 हेल्थ एटीएम का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग तथा (हेवलेट पैकर्ड एंटरप्राइज) एचपीई के मध्य मानसरोवर यात्रा हेतु कुमाऊं क्षेत्र में 25 हेल्थ एटीएम स्थापित करने के लिए एमओयू किया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हाल ही में राज्य के विभिन्न स्थानों में स्थापित किए गए हेल्थ एटीएम के माध्यम से अभी तक 1700 से अधिक लोग अपना स्वास्थ्य परीक्षण करवा चुके हैं। लोगों को हेल्थ एटीएम का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि स्थापित किए गए हेल्थ एटीएम का सुचारू संचालन और देखभाल भी आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चारधाम यात्रा मार्गों पर सुलभ चिकित्सा सुविधाएं होना भी आवश्यक है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा चारधाम यात्रियों हेतु हेल्थ गाइडलाइन्स जारी की गई है, जिनका पालन आवश्यक है। इसके साथ ही तीर्थयात्री मौसम की जानकारी भी रखे तथा उसके अनुसार ही अपनी यात्रा को आगे बढ़ाये।

हेवलेट पैकर्ड एंटरप्राइज ने चार धाम तीर्थ स्थलों पर आसान और सस्ती स्वास्थ्य सेवाओं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से 50 क्लाउड सक्षम हेल्थ कियोस्क (हैल्थ एटीएम) स्थापित किए हैं। यह हैल्थ एटीएम उत्तराखंड राज्य में तीर्थयात्रियों को उनकी चार धाम यात्रा के दौरान टेलीमेडिसिन सेवाएं प्रदान करने के लिए वन-स्टॉप डिजिटल टच प्वाइंट एकीकृत मशीनें होंगी। यह क्लाउड सक्षम हेल्थ कियोस्क विभिन्न स्थानों पर स्थापित किए गए हैं जहां तीर्थयात्री केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री के चार हिमालयी तीर्थस्थलों की तीर्थ यात्रा के दौरान आमतौर पर विश्राम लेते हैं। इन स्वास्थ्य कियोस्क का मुख्य उद्देश्य दूर-दराज के क्षेत्रों में तीर्थयात्रियों तथा जनता की यात्रा के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा तक उनकी पहुंच को आसान बनाना है। हेल्थ क्योस्क एक टच स्क्रीन हार्डवेयर है जिसे स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के प्रबंधन के लिए डिजाइन किया गया है और यह लोगो को किसी भी इंटरनेट से जुड़े वेब ब्राउजर के माध्यम से 24 घंटे व्यक्तिगत स्वास्थ्य जानकारी तक पहुंचने की अनुमति देता है।

यह मशीन पंद्रह मिनट के भीतर रोगी की ऊंचाई, वजन, शरीर का तापमान, रक्त ग्लूकोज, रक्तचाप, इनवेसिव और गैर-आक्रामक रक्त परीक्षण, हृदय जांच और ऑक्सीजन संतृप्ति स्तर सहित 70 से अधिक मेडिकल टेस्ट की तुरंत रिपोर्ट दे सकता है। यह अपनी टेलीमेडिसिन परामर्श सुविधा के माध्यम से रोगियों को स्पेशलिस्ट और प्रमाणिक डॉक्टरों और अस्पतालों से सर्वोत्तम उपचार के लिए परामर्श देने में भी मदद कर सकता है। इन मशीनों का तीन घंटे तक का पावर बैकअप है। 50 स्वास्थ्य कियोस्क को आधार के रूप में हरिद्वार से चारधाम मार्ग पर तैनात किया गया है और फिर यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ मार्ग पर शाखाओं में बांटा गया है।

इस अवसर पर सचिव स्वास्थ्य डा. आर राजेश कुमार, अपर सचिव अमनदीप कौर, महानिदेशक स्वास्थ्य विभाग डा. विनीता शाह, एमडी एचपीई सोम सत्संगी, एचपीई सीएसआर सुशील भाटला तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

विकसित भारत के लिए गांव का विकसित होना जरूरी : पीएम मोदी

रीवा, 24 अप्रैल (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मध्य प्रदेश के रीवा के एसएएफ मैदान में आयोजित राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस समारोह में गांव के विकास पर जोर देते हुए कहा कि विकसित भारत के लिए गांव का विकसित होना जरुरी है।

प्रधानमंत्री ने रीवा की धरती से विंध्वासिनी को प्रणाम और यहां के शूरवीरों का नमन करते हुए कहा, भारत को विकसित बनाने के लिए भारत के गांवों की सामाजिक व्यवस्था को विकसित करना जरूरी है। भारत को विकसित बनाने के लिए भारत के गांवों की आर्थिक व्यवस्था को विकसित करना जरूरी है।

प्रधानमंत्री ने अपने रीवा के पूर्व के प्रवासों का भी स्मरण किया और कहा, हम सभी जनता के प्रतिनिधि लोकतंत्र के लिए समर्पित हैं। काम के दायरे भले ही अलग हों, लेकिन लक्ष्य एक ही है • जनसेवा से राष्ट्र सेवा।

उन्होंने आगे कहा, गांव, गरीब का जीवन आसान करने के लिए केन्द्र सरकार की योजनाओं को पंचायतें पूरी निष्ठा से जमीन पर उतार रही हैं। देश की 2.5 लाख से अधिक पंचायतों को 'राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस' की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

प्रधानमंत्री ने सीधे और वर्चुअली जुड़े पंचायत प्रतिनिधियों का जिक्र करते हुए कहा, आज आपके साथ 30 लाख से अधिक पंचायत प्रतिनिधि हमारे साथ वर्चुअली जुड़े हुए हैं। ये निश्चित रूप से भारत के लोकतंत्र की बहुत ही सशक्त तस्वीर है।

आजादी के इस अमृतकाल में हम सभी देशवासियों ने विकसित भारत का सपना देखा है और उसे पूरा करने के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं।

पिछली सरकार की कार्यशैली का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 2014 से पहले के 10 वर्षों में केंद्र सरकार की मदद से छह हजार के आस पास ही पंचायत भवन बनवाए गए थे। पूरे देश में करीब-करीब छह हजार पंचायत घर ही बने थे। हमारी सरकार आठ वर्ष के अंदर-अंदर ही 30 हजार से ज्यादा नई पंचायतों का निर्माण करवा चुकी है। पहले की सरकार ने 70 से भी कम ग्राम पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर से जोड़ा। ये हमारी सरकार है, जो देश की दो लाख से भी ज्यादा पंचायतों तक ऑप्टिकल फाइबर ले गई है।

पिछली और वर्तमान सरकार के कामकाज के फर्क को बताते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आजादी के बाद की सरकारों ने भारत की पंचायती राज व्यवस्था को ध्वस्त किया। जो व्यवस्था सैकड़ों वर्ष, हजारों वर्ष पहले से थी, उसी पंचायती राज व्यवस्था पर आजादी के बाद भरोसा ही नहीं किया गया। 2014 के बाद से, देश ने अपनी पंचायतों के सशक्तिकरण का बीड़ा उठाया है और आज इसके परिणाम नजर आ रहे हैं। आज भारत की पंचायतें, गांवों के विकास की प्राणवायु बनकर उभर रही हैं।

दार्जिलिंग अलग भी होता है तो बंगाल विभाजन की बात नहीं आती है : सांसद बिष्ट

अनुगामिनी का.सं.

कालिम्पोंग, 24 अप्रैल। सांसद राजू बिष्ट ने आज हाल में भाजपा उपाध्यक्ष दिलीप घोष के बंगाल का विभाजन नहीं होने के बयान के सन्दर्भ में कहा की मैं उनके बयान से सहमत नहीं हूं। बंगाल का कोई भी नेता गोरखालैंड का समर्थन कभी भी नहीं करेंगे। हम दिलीप घोष से गोरखालैंड नहीं मांग रहे हैं उनके द्वारा दिया गया बयान केंद्र की सरकार या फिर भाजपा का बयान नहीं है। बीजेपी के घोषणापत्र में जो लिखा है वो अधिकारिक बयान है।

उन्होंने कहा की दिलीप घोष के एक बयान बंगाल विभाजन नहीं होगा इससे सहमत हूं क्योंकि तकनीकी रूप से दार्जीलिंग अलग भी होता है तो बंगाल विभाजन की बात नहीं आएगी ये सिर्फ मर्जर एवं डी मर्जर की बात है जिसको जनता समझती है। 1956 में दार्जीलिंग को बंगाल में मर्ज किया था उसको डी मर्ज करने से कैसे बंगाल का विभाजन कैसे होगा।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भाजपा अपने गठबंधन पार्टी के साथ पहाड़ में होने वाला पंचायत चुनाव लड़ेगी। इसके लिए गठबंधन साथी के साथ कल सभी बुलाकर इस पर चर्चा होगी। दार्जिलिंग की अवस्था ठीक नहीं है। पहाड़ में भ्रष्टाचार चरम पर है काम नहीं हो रहा है एवं जीटीए एक खाली टंकी है जिसके सिटेक्स में एक भी पैसा नहीं है इस कारण सबसे ज्यादा पैसा आने वाली व्यवस्था पंचायत है इस कारण ममता दीदी पंचायत चुनाव पर जोर दे रही है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा 15वें फाइनेंस कमीशन के पैसे रोकने के चलते आज जल्दबाजी में राज्य सरकार लगी हुई है। जीटीए संवैधानिक व्यवस्था नहीं है। राज्य सरकार तीन स्तर का पंचायत चुनाव नहीं कराना चाहती है। उन्होंने कहा की त्रिस्तरीय चुनाव होने के साथ जीटीए का कोई काम नहीं रहेगा इसी डर से राज्य चुनाव नहीं करना चाहता है। 2024 से पहले 11 जनजाति के साथ गोरखालैंड के मुद्दा पर कुछ होगा ये प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री के आश्वासन पर मैं यह बात कह रहा हूं। किसी ऐरे गैरे नेता का बयान मतलब नहीं रखता।

वहीं, उन पर लगातार मनरेगा के पैसे रोकने का आरोप लगाए जाने पर उन्होंने कहा कि पूरे बंगाल का पैसा रोका गया है क्योंकि फर्जी जॉब कार्ड के कारण काफी घोटाला हुआ है जिसकी जांच रिपोर्ट केंद्र ने राज्य से मांगी है।

मनरेगा के पैसे का हिसाब राज्य सरकार देने में बिफल रही है। गड़बड़ी करने वालों पर कार्रवाई जरूर होगी। उन्होंने कहा की हम सिस्टम ठीक करने में लगे हुए हैं। पानी की योजना में सात प्रतिशत कमीशन खा रहे हैं। कांट्रेक्टर इसकी जानकारी दे रहे हैं। हाल में सात सदस्यीय दल ने दार्जीलिंग आकर जानकारी ली थी। घटिया पानी के पाइप लगाए जा रहे हैं। आज पुलिस एवं प्रसाशन ठीक से काम करता तो ऐसा नहीं होता।

CHANGE OF NAME

Saurabh Kumar S/o Hulas Prasad residing at Vill.- Kastar, Dist.- Rohtas, P.O.- Kastar Mahadev, P.S.- Bikram Ganj, State- Bihar, Pin Code- 802212 have changed my son Name- Saurabh Kumar to Sourabh Kumar. Vide Affidavit No.- A243713, Dt.-24.04.2023 before non Judicial Sikkim.

भाजपा को बाहरी उम्मीदवारों पर ज्यादा भरोसा, ज्यादातर निवर्तमान महापौर को दोबारा मौका नहीं

लखनऊ, 24 अप्रैल (एजेन्सी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उत्तर प्रदेश में दो चरणों में होने वाले नगरीय निकाय चुनाव के लिए नगर निगम के अपने सभी महापौर उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिये हैं।

राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा ने बाहरी नेता पर भरोसा जताने के साथ ही ज्यादातर निवर्तमान महापौरों को दोबारा मौका नहीं दिया है।

राज्य में 17 नगर निगमों के महापौर पद के लिए उम्मीदवार तय करते हुए भाजपा ने शाहजहांपुर नगर निगम से अर्चना वर्मा को अपना प्रत्याशी घोषित किया। महापौर पद के लिए समाजवादी पार्टी (सपा) की ओर से घोषित उम्मीदवार अर्चना वर्मा के सपा छोड़कर भाजपा में शामिल होने के महज चार घंटे बाद ही पार्टी ने रविवार को उन्हें अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया।

वहीं, अयोध्या के निवर्तमान महापौर का टिकट काट दिया गया। तीसरी बार महापौर बनने के प्रयास में लगीं प्रयागराज की निवर्तमान महापौर और उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी की पत्नी अभिलाषा गुप्ता को भी भाजपा ने मौका नहीं दिया। वहीं, राजधानी लखनऊ में निवर्तमान महापौर संयुक्ता भाटिया भी दोबारा मौका नहीं पा सकीं।

भाजपा राज्य मुख्यालय ने रविवार की रात सात नगर निगमों के महापौर और पार्षद प्रत्याशियों समेत दूसरे चरण में होने वाले नगरीय निकाय चुनाव के लिए नगर पालिका परिषद के अध्यक्षों के उम्मीदवारों के नाम घोषित किये, जबकि क्षेत्रीय स्तर पर नगर पंचायत अध्यक्ष व सभासद प्रत्याशियों के नाम घोषित किये गये।

रविवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने दूसरे चरण के चुनाव के जिन सात नगर निगमों के महापौर उम्मीदवारों के नाम घोषित किये, इनमें शाहजहांपुर से अर्चना वर्मा, अयोध्या से गिरिशपती त्रिपाठी, कानपुर से प्रमिला पांडेय, गाजियाबाद से सुनीता दयाल, अलीगढ़ से प्रशांत सिंघल और बरेली से उमेश गौतम को उम्मीदवार बनाया गया है।

शाहजहांपुर से सपा की महापौर पद की उम्मीदवार अर्चना वर्मा रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गयीं। इसके बाद भाजपा ने उन्हें शाहजहांपुर से ही महापौर पद के लिए टिकट दे दिया। रविवार को ही भाजपा मुख्यालय में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने अर्चना वर्मा को भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराने के बाद कहा कि पार्टी के केंद्रीय और राज्य नेतृत्व ने फैसला किया है कि वे अर्चना वर्मा को पार्टी की सदस्यता देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अर्चना के ससुर राममूर्ति वर्मा चार बार विधायक (तीन बार शाहजहांपुर के जलालाबाद क्षेत्र से और एक बार ददरौल से) रहे। वह शाहजहांपुर (1996) से एक बार सांसद भी रहे।

अयोध्या के निवर्तमान महापौर ऋषिकेश उपाध्याय को मौका न देकर पार्टी ने गिरिशपति त्रिपाठी पर दांव लगाया। त्रिपाठी अयोध्या के एक मंदिर के महंत हैं। अनारक्षित बरेली सीट से निवर्तमान महापौर उमेश गौतम और कानपुर नगर निगम की निवर्तमान महापौर प्रमिला पांडेय को भाजपा ने दोबारा मौका दिया है। इससे पहले 16 अप्रैल को पहले चरण के 10 महापौर उम्मीदवारों की सूची जारी करते हुए भाजपा ने सिर्फ मुरादाबाद के निवर्तमान महापौर विनोद अग्रवाल को दोबारा मौका दिया और बाकी नौ नगर निगमों में चेहरे बदल दिये।

भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि महापौर की कई सीटों पर आरक्षण में बदलाव होने की वजह से उम्मीदवार बदले गये और कुछ जगह नये लोगों को मौका दिया गया।

इससे पहले 16 अप्रैल को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने पहले चरण के नगर निगम महापौर के 10 प्रत्याशियों की सूची जारी करते हुए प्रयागराज से मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी की पत्नी निवर्तमान महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी को टिकट नहीं देकर उनकी जगह उमेश चंद्र केसरवानी को चुनाव मैदान में उतारा है। इसके अलावा लखनऊ की निवर्तमान महापौर संयुक्ता भाटिया की जगह पार्टी की प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुषमा खड़कवाल को उम्मीदवार बनाया गया है।

भाजपा ने मंगलेश श्रीवास्तव को गोरखपुर से और अशोक तिवारी को वाराणसी से उम्मीदवार बनाया

जबकि मुरादाबाद से विनोद अग्रवाल, फिरोजाबाद से कामिनी राठौड़, आगरा से हेमलता दिवाकर, सहारनपुर से अजय कुमार, मथुरा-वृंदावन से विनोद कुमार अग्रवाल और झांसी से बिहारी लाल आर्य को महापौर पद का उम्मीदवार बनाया है। राज्य में शहरी स्थानीय निकाय चुनाव दो चरणों में चार मई और 11 मई को होंगे। मतगणना 13 मई को होगी।

उत्तर प्रदेश के राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज कुमार के अनुसार, राज्य के 760 नगरीय निकाय चुनाव के अन्तर्गत कुल 14,684 पदों पर चुनाव होंगे। उन्होंने बताया कि इसमें 17 महापौर, 1420 पार्षद, नगर पालिका परिषदों के 199 अध्यक्ष, नगर पालिका परिषदों के 5327 सदस्य, नगर पंचायतों के 544 अध्यक्ष और नगर पंचायतों के 7178 सदस्यों के निर्वाचन के लिये चुनाव होगा।

गौरतलब है कि सहारनपुर, मुरादाबाद, आगरा, झांसी, प्रयागराज, लखनऊ, देवीपाटन, गोरखपुर और वाराणसी मंडल के 37 जिलों में पहले चरण में चुनाव होगा, जबकि मेरठ, बरेली, अलीगढ़, कानपुर, चित्रकूट, अयोध्या, बस्ती, आजमगढ़ और मिर्जापुर मंडल के 38 जिलों में दूसरे चरण में चुनाव कराया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2017 में 16 नगर निगमों में चुनाव हुए थे, जिनमें 14 नगर निगमों में महापौर पद पर भाजपा उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की थी।

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 01:00 PM

DEAR DWARKA MONDAY WEEKLY LOTTERY

Draw No:4 DrawDate on:24/04/23

1st Prize ₹1 Crore/- 90D 27436

Cons. Prize ₹1000/- 27436 (Remaining All Serial & Series)

2nd Prize ₹9000/-

01930 08605 14901 24513 29225 31817 37645 62248 82719 83512

3rd Prize ₹450/-

1708 2586 3654 3887 4567 6690 8379 8671 9407 9690

4th Prize ₹250/-

0074 1386 3478 5063 5155 6322 6544 7900 7911 9227

5th Prize ₹120/-

0272 0417 0618 0623 0688 0694 0700 0710 0719 0948
0958 1021 1103 1133 1219 1222 1273 1275 1355 1400
1411 1414 1472 1638 1848 2087 2133 2249 2298 2310
2349 2376 2406 2425 2530 2577 2827 2939 3539 3546
3581 3796 4066 4181 4218 4227 4239 4253 4336 4434
4582 4741 4751 4892 4893 4910 5003 5137 5329 5469
5484 5485 5519 5674 5705 6016 6107 6252 6259 6342
6355 6385 6455 6502 6512 6565 6726 6763 6783 6886
6922 7131 7581 7619 7630 7664 7827 8031 8081 8778
8881 8900 9005 9136 9391 9536 9806 9911 9933 9989

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 06:00 PM

DEAR DESERT MONDAY WEEKLY LOTTERY

Draw No:4 DrawDate on:24/04/23

1st Prize ₹1 Crore/- 86J 05253

Cons. Prize ₹1000/- 05253 (Remaining All Serial & Series)

2nd Prize ₹9000/-

09716 12393 18776 47053 48265 57248 65897 89926 94934 97958

3rd Prize ₹450/-

1242 1523 3253 3875 5226 6412 6901 8113 8218 8400

4th Prize ₹250/-

0203 1857 2030 2436 3230 5787 6101 6252 8838 9875

5th Prize ₹120/-

0112 0153 0309 0313 0382 0408 0511 0585 0672 0784
0868 1006 1043 1262 1283 1391 1477 1853 1927 2162
2194 2295 2567 2631 2643 2674 3079 3146 3148 3214
3247 3773 3799 3885 3952 4097 4129 4144 4181 4206
4261 4290 4371 4874 4917 5052 5109 5207 5214 5394
5427 5453 5465 5665 5707 5788 5795 5970 6050 6055
6143 6263 6347 6373 6472 6481 6591 6623 6840 6844
7060 7167 7220 7492 7514 7787 7863 7945 8063 8118
8224 8453 8523 8551 8583 8632 8654 8836 8933 9036
9066 9101 9177 9372 9680 9741 9879 9925 9956 9963

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 08:00 PM

DEAR FINCH MONDAY WEEKLY LOTTERY

Draw No:4 DrawDate on:24/04/23

1st Prize ₹1 Crore/- 95B 78238

Cons. Prize ₹1000/- 78238 (Remaining All Serial & Series)

2nd Prize ₹9000/-

06379 07968 12915 20156 31148 33438 43387 64731 68258 99873

3rd Prize ₹450/-

1443 1738 3742 4554 5707 6112 6480 6532 8041 9828

4th Prize ₹250/-

0689 2000 2652 3819 4721 4839 5658 5735 8464 9746

5th Prize ₹120/-

0402 0588 0827 0851 0881 0884 0931 1029 1102 1331
1495 1609 1730 1734 1786 1848 2062 2227 2354 2598
2626 2642 2702 2780 2921 2989 3247 3332 3430 3513
3748 4253 4330 4371 4473 4534 4763 4934 5109 5255
5257 5291 5315 5520 5581 5741 5821 5911 6083 6145
6244 6263 6325 6360 6391 6470 6509 6525 6645 6678
6685 6696 6698 6732 6971 7035 7212 7477 7505 7533
7570 7629 7702 7800 7811 7876 7881 8037 8065 8174
8460 8613 8735 8752 8800 8973 9140 9229 9300 9335
9436 9537 9637 9656 9671 9710 9751 9763 9950 9991

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

प्रशासन की सूझबूझ

खालिस्तान समर्थक भगोड़े कट्टरपंथी और 'वारिस पंजाब दे' के प्रमुख अमृतपाल सिंह एक महीने से ज्यादा समय तक पुलिस से छुपते फिरने के बाद आखिर रविवार सुबह मोगा के रोडे गांव में गिरफ्तार कर लिया गया। इसे खालिस्तान समर्थक तत्वों की कुटिल मंशा का ही उदाहरण कहेंगे कि अमृतपाल की गिरफ्तारी को भी ऐसा रूप देने की कोशिश की गई, जैसे उसने आत्मसमर्पण किया हो। लेकिन पुलिस की तरफ से यह स्पष्ट कर दिया गया कि उसकी बाकायदा गिरफ्तारी हुई है। पुलिस टीम गिरफ्तारी के लिए गुरुद्वारे के अंदर नहीं गई, लेकिन बाहर उसने ऐसी कड़ी घेरेबंदी कर रखी थी कि अमृतपाल का बचकर निकलना मुश्किल था।

गुरुद्वारे से निकलते ही पुलिस टीम ने उसे गिरफ्त में ले लिया। इस पूरे मामले में पंजाब पुलिस ने जितनी परिपक्वता और कुशलता दिखाई है, उसकी तारीफ की जानी चाहिए। 23 फरवरी को जिस तरह अमृतपाल ने समर्थकों की भीड़ के साथ गुरुग्रंथ साहब का इस्तेमाल करते हुए अजनाला पुलिस स्टेशन पर धावा बोला और अपने करीबियों की रिहाई सुनिश्चित कराई, वह इस बात का सबूत था कि उसके हैंडलर्स उसके जरिए खुलकर खेलने के मूड में आ गए थे। उनके मुताबिक सभी जरूरी तैयारियां पूरी हो चुकी थीं और उन्हें लगता था कि अब उनके इशारे पर अमृतपाल और उसके लोग पुलिस प्रशासन को सीधी चुनौती दे सकते हैं। यह बड़ी खतरनाक स्थिति थी।

जरा सी असावधानी पंजाब को मुसीबतों के नए भंवर में डाल सकती थी। इसलिए जल्दबाजी में कदम उठाने के बजाय पुलिस ने वक्त लेकर सारी योजना तैयार की और फिर पूरी तैयारी के साथ 18 मार्च को अमृतपाल के खिलाफ कार्रवाई की। हालांकि वहां से अमृतपाल निकल भागा, लेकिन फिर भी पुलिस टीम ने न तो अतिरिक्त बल प्रयोग किया और न ही राज्य का माहौल बिगड़ने दिया। धीरे-धीरे अमृतपाल के करीबियों को गिरफ्त में लेते रहे और उसके चारों ओर शिकंजा कसते रहे। कुछ समय में उसके सारे विकल्प खत्म हो गए। इस दौरान न केवल केंद्रीय एजेंसियों ने हर कदम पर पंजाब पुलिस के साथ सहयोग किया बल्कि राज्य और केंद्र सरकारों के बीच भी जबरदस्त तालमेल नजर आया।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक दिन पहले ही पंजाब पुलिस की तारीफ करके संकेत दे दिया कि राजनीतिक भेद-मतभेद चाहे जितने भी हों, लेकिन जब बात राष्ट्रीय चुनौतियों से निपटने की हो, तो उनसे ऊपर उठना हम जानते हैं। इस दौरान अकाल तख्त ने जिस बारीकी से धर्म और उसके दुरुपयोग के बीच फर्क को रेखांकित करते हुए खुद को अमृतपाल की करतूतों से अलग किया, वह न केवल सराहनीय है बल्कि आगे के लिए भी मिसाल पेश करता है। सही समय पर दिखाई गई यही सावधानी, गंभीरता और जिम्मेदारी की भावना किसी राष्ट्र की असली ताकत होती है।

खतरनाक हो सकता है जाति का ककहरा पढ़ाना

प्रेमकुमार मणि

अखिल भारतीय कांग्रेस ने अपने रायपुर अधिवेशन में अनुसूचित जातियों/जनजातियों अन्य पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यकों के संबंध में उर्ध्व और महिलाओं तथा युवाओं के संबंध में क्षैतिज अवसर उपलब्ध करने के बारे में फैसला लिया था, तब मुझे अतीव प्रसन्नता हुई थी कि कांग्रेस बदलते हुए हिन्दुस्तान को समझने का प्रयास करने लगी है।

लेकिन हाल में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के जाति-जनगणना के संबंध में जो विचार व्यक्त किए हैं, उन्हें देख कर निराशा हुई।

प्रतीत होता है, राहुल ने बिहार में चल रही जाति-जनगणना के स्वरूप का समर्थन किया है, जो अपने आप में उलझा हुआ और कुल मिला कर प्रतिगामी कार्यक्रम है। यदि राहुल ने सचमुच जाति जनगणना के बिहार मॉडल का समर्थन किया है, तो यह मेरी दृष्टि से कांग्रेस के लिए खतरनाक है, ठीक वैसे ही जैसे शाह बानो मामले में उसकी गैर-वाजिब दखलंदाजी थी। नतीजतन, कांग्रेस अपनी राजनीति में ढलान की तरफ अग्रसर हो गई। कांग्रेस का जाति-विषयक चिंतन एक बार फिर ऐसे ही मोड़ पर दिख रहा है। इस विषयक जिस बिहार-मॉडल का वह अनुसरण करने जा रही है, अपने मूल में लोकदली-चिंतन है, जिसमें चरण सिंह के जमाने में तो थोड़ी आर्यसमाजी छौंक भी होती थी; लेकिन उनके उपरांत उसकी पृष्ठभूमि केवल खाप-दिमाग वाली रह गई है। इस खाप-दिमाग का अनुसरण कांग्रेस करे, यह राष्ट्रीय राजनीतिक ट्रैजेडी ही कही जाएगी।

जाति और वर्ण के सवाल पर इस मुल्क में पुराने जमाने से विमर्श होते रहे हैं। ठीक-ठीक कोई नहीं जानता कि जाति-वर्ण कब बने। भारतीय इतिहास के पूर्व-मध्यकाल और उसके पहले ज्यादातर भारतीय शासक गैर-ब्राह्मण तबकों से रहे। नंद पहला साम्राज्य था जिसने महाजनपदीय राजनीतिक स्थिति को एक राष्ट्र में बदलने की कोशिश की। वह शूद्र यानी मिहनतकश तबके से था। मौर्य भी ऐसे ही थे। शुंगों के बारे में जो जानकारी है उनका मूल द्विज था। लेकिन बाद के गुप्त वैश्य थे। पश्चिम में शक और हूण जैसी जातियों के लोग भी शासक बन रहे थे। पूरब में पाल वंश निश्चित तौर पर अद्विज था। दक्खिन में जो कलचुरी थे, वे वैश्य अथवा नापित (हजाम) थे। नाग वंश के बारे में इतिहास ने कोई खास जानकारी इकट्ठी नहीं की है लेकिन कश्मीर के अनंतनाग से लेकर दक्कन के नागपुर और असम के इलाकों तक नागवंशियों का इकबाल कायम था। ये प्राय: भारशिव अर्थात शैव थे। इन सबके होते जाति-वर्ण की सामाजिक व्यवस्था बहुत ताकतवर नहीं रही। बौद्धों के रूप में वर्णवाद का एक प्रबल आलोचक पक्ष भारतीय समाज में हमेशा उपस्थित रहा। लेकिन राजपूतों के हिन्दू द्विज व्यवस्था में शामिल होने की अभिलाषा ने वर्णवादी व्यवस्था को राजकीय ताकत दी। इस काल में जाति व्यवस्था को बल मिलना स्वाभाविक था।

सल्तनत और उससे बढ़ कर मुगल काल में सभी हुक्मरानों ने ब्राह्मणवादी जाति-व्यवस्था को इसलिए मजबूत किया कि इससे शासन करने में सुविधा होती थी। भारतीय इतिहास के सिक्ख, जाट सतनामी और डेक्कन के शिवाजी विद्रोह का ठीक ढंग से अध्ययन नहीं हुआ है। जब अध्ययन होगा और इसके नतीजे आएंगे, तब हमें मालूम होगा कि जाति प्रथा के खिलाफ विद्रोह की जड़ें कितनी गहरी थीं।

पूरा भक्ति आंदोलन जाति प्रथा के विरुद्ध दीर्घ आंदोलन के सिवा आखिर है क्या? कबीर, रैदास, नानक आदि कवियों ने जातिवाद के विरुद्ध खुला विद्रोह किया। जाति न पूछो साधु की, पूछ लीजिए ज्ञान और जातपात पूछे नहीं कोय, हरि को भजै सो हरि का होय का अभिप्राय क्या है? लेकिन इसी दौर में मुगल शासक अपने इस्लामी सामाजिक ढांचे का भी जातिकरण कर रहे थे। क्योंकि अकबर की हिन्दू-मुस्लिम एकता के लिए यह जरूरी कदम था। द्विज हिन्दू संभवत: मुसलमानों से सामाजिक स्तर पर जुड़ने के पूर्व उनके सामाजिक स्तरीकरण के आग्रही थे। नतीजतन मुसलमानों के बीच भी असारफ, अजलाफ और अरजाल का वर्णानुक्रम बन गया। ब्रिटिश राज ने आरंभ में जाति व्यवस्था को चुनौती दी और सामाजिक सुधारों पर बल दिया। भारत में अंग्रेजी राज अद्विज जातियों के विद्रोह और सहयोग से संभव हुआ था। 1757 के पलासी, 1799 के मैसूर और 1818 के भीमा-कोरेगांव युद्ध में ब्रिटिश कंपनी फौज का साथ दलित योद्धाओं ने दिया था। इसलिए वे चाहते थे कि भारत में हिन्दू-मुसलमानों के ऊंचे तबकों का प्रभाव खत्म हो। लेकिन 1857 के बाद उनकी मानसिकता बदल गई। भारतीय समाज में फूट डालने के लिए उन्हें जाति व्यवस्था और सांप्रदायिक विभेद को मजबूत करना उपयोगी लगा। 1872 में जब सेन्सस आरंभ हुआ तो तब उन लोगों ने इसका पूरा उपयोग करना चाहा। सेन्सस में जाति को जोड़ना पहली बार 1881 हुआ।

जाति व्यवस्था का विरोध दूसरे स्तर पर विभिन्न रूपों में हो रहा था। महाराष्ट्र में जोतिबा फुले ने भक्तिकाल की ब्राह्मणवाद विरोधी और सामाजिक समत्व की भावना वाले सांस्कृतिक आग्रहों को पुरजोर गति दी। शिक्षा और वैज्ञानिक चेतना पर उनका जोर था। उनके अनुयायी भीमराव अंबेडकर ने बीसवीं सदी के तीसरे दशक में जातिवाद विरोधी आंदोलन की बागडोर संभाली। उनकी किताब अनीहिलेशन ऑफ कास्ट को समझा जाना चाहिए। आधुनिक शासन-प्रशासन में आरक्षण या भागीदारी जाति व्यवस्था को बनाए रखने के लिए नहीं, उसे समाप्त करने के लिए होनी चाहिए। इसलिए अंबेडकर की संकल्पना में आरक्षण को अनंतकाल तक के लिए नहीं चलना है। उनका मकसद जातिविहीन समाज है। यह सही है कि जाति के मौजूदा स्वरूप का पर्याप्त राजनीतिकरण हुआ है। इसके चुनावी जोड़- घटाव की शुरुआत चरण सिंह ने की थी, जब उन्होंने उत्तर प्रदेश के बनिया-ब्राह्मण राजनीति को जवाब देने के लिए अजगर (अहीर, जाट, गुर्जर, राजपूत) समूह बनाया था। गुजरात में कांग्रेस नेता माधव सिंह सोलंकी ने इसी तर्ज पर पटेलों की राजनीति को ध्वस्त करने के लिए-क्षत्रिय, हरिजन, आदिवासी, मुसलमान-मोर्चा बनाया। इन सबका नतीजा अंतत: क्या निकला? सामाजिक-आर्थिक सवाल गौण पड़े और आधुनिक मूल्यबोध की जगह दकियानूसी मूल्यबोध प्रभावी हुए। समाज प्रगतिशील दौर से दकियानूसी दौर में आ गया। उत्तर प्रदेश और गुजरात आज किसके गढ़ बन गए हैं?

जाति अब वर्ग या जमात बनने लगी है, जो एक आधुनिक सामाजिक ढांचा है। किसी की सामाजिक स्थिति का परिचय ओबीसी, एससी या एसटी जैसे शब्दों से होने लगा है, जो अपेक्षाकृत अधिक उपयुक्त है। ओबीसी, एसटी या एससी जाति नहीं वर्ग है। ओबीसी अपने पूरे रूप में अन्य पिछड़ा वर्ग है, जाति नहीं। जनगणना का ढांचा ऐसा बनाना था कि केवल अन्य पिछड़ा वर्ग की घोषणा उन्हें करनी होती। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि इस खाप विचारधारा को कांग्रेस का समर्थन मिला है। जैसे शाह बानो मामले में कांग्रेस के हस्तक्षेप ने मुस्लिम समाज और अंतत: पूरे भारतीय समाज को आधुनिक बोध से हटा कर मध्ययुगीन मूल्यबोध के बीच ला खड़ा किया और नतीजतन, दक्षिणपंथी सोच वाली राजनीतिक पार्टी भाजपा का ग्राफ आगे बढ़ा, वैसे ही जाति जनगणना वाले इस निर्णय से दबंग पिछड़ी जातियों के वर्चस्व-प्राप्त एक छोटे कुनबे का शेष पिछड़े समूहों पर वर्चस्व बढ़ेगा। समाज के आधुनिक की जगह मध्यकालीन मूल्यबोध से जुड़ने की संभावना बढ़ जाएगी। नई पीढ़ी को जाति का ऐसा ककहरा पढ़ाना खतरनाक हो सकता है।

नागरिक समाज का डर

रामचंद्र गुहा

इस महीने की शुरुआत में कर्नाटक के तीन दर्जन स्वैच्छिक संगठनों ने एक साथ मिलकर राज्य में विधानसभा चुनाव लड़ रही राजनीतिक पार्टियों के लिए एक घोषणापत्र तैयार किया। इस 'सिविल सोसाइटी फोरम' में दलितों, महिलाओं और झुग्गी बस्तियों में रहने वाले लोगों के अधिकारों के लिए लड़ने वाले समूह, शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता के क्षेत्र में सक्रिय समूह और भारतीय संविधान के 73 वें और 74 वें संशोधनों को पूर्णतया लागू कर राजनीतिक विकेंद्रीकरण के लिए दबाव बनाने वाले समूह शामिल हैं। 20 पेज के उनके घोषणापत्र का अंग्रेजी और कन्नड़, दोनों में प्रकाशन किया गया है। इसमें विभिन्न तरह के मुद्दों की शृंखला शामिल की गई है, जो कि इसमें हिस्सेदारी करने वाले समूहों की प्राथमिकताओं के साथ ही राज्य के लोग जिन चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, उन्हें प्रतिबिंबित करती है। सिविल सोसाइटी फोरम ने सारी राजनीतिक पार्टियों से कहा है कि वे इन मांगों को अपने खुद के घोषणापत्रों में शामिल करें और विधानसभा के लिए निर्वाचित होने पर इनके पक्ष में फैसले करें।

घोषणापत्र के वितरण के बाद एक बैठक हुई, जिसमें राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया। मैंने भी बैठक में भाग लिया और गहरी रुचि के साथ कार्यवाही देखी। शुरुआत सिविल सोसाइटी के कार्यकर्ताओं के शासन, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, सामाजिक न्याय इत्यादि से संबंधित प्रजेंटेशन से हुई और इसका समापन वहां आए राजनेताओं की प्रतिक्रियाओं और श्रोताओं के प्रश्नों के जवाब देने से हुआ। चर्चा रचनात्मक थी। हालांकि, बैठक में राज्य के तीन प्रमुख राजनीतिक दलों में से दो के प्रतिनिधि शामिल नहीं हुए। ये पार्टियां हैं, जनता दल (सेक्यूलर) और भारतीय जनता पार्टी। कर्नाटक की तीसरी बड़ी पार्टी कांग्रेस ने अपना एक प्रतिनिधि भेजा था। उसके अलावा राज्य में अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रही आम आदमी पार्टी और श्रमिक वर्ग के जिलों के कुछ हिस्सों में अब भी प्रभाव रखने वाली माकपा (मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी) ने भी अपने प्रतिनिधि भेजे थे।

आयोजकों ने जनता दल (एस) और भाजपा को कई बार फोन किए, लेकिन वादा करने के बावजूद इनमें से किसी भी पार्टी ने अपना प्रवक्ता नहीं भेजा। ऐसा क्यों है? मेरा अनुमान है कि जद (एस) के मामले में शायद यह उदासीनता थी। पार्टी को नागरिक समाज की परवाह नहीं है। हालांकि, भाजपा के मामले में, इस बैठक में शामिल होने से इनकार लगभग निश्चित रूप से उन नागरिक समाज संगठनों के प्रति उनकी तीव्र नापसंदगी पर आधारित था, जो स्वतंत्र रूप से काम करते हैं।

नागरिक समाज के प्रति भाजपा की नापसंदगी का मूल कुछ हद तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वैचारिक अभिविन्यास में निहित है। स्वभाव से अधिनायकवादी, आरएसएस भारत में सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन के सभी क्षेत्रों को नियंत्रित करना चाहता है। जहां भी यह काम करता है-किसानों, आदिवासियों, महिलाओं, छात्रों, पड़ोस के समूहों के बीच-वह कोई प्रतिस्पर्धा नहीं चाहता है।

भाजपा की सिविल सोसाइटी की नापसंदगी की एक अन्य, और संभवत: कहीं अधिक महत्वपूर्ण वजह है मौजूदा प्रधानमंत्री का व्यक्तित्व। सहज अधिनायकवादी नरेंद्र मोदी सत्ता में रहते हुए शासन और प्रशासन को पूरी तरह नियंत्रित करना चाहते हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में वह राज्य के नागरिक समाज समूहों के खिलाफ कड़ाई से पेश आए थे।

पिछले नौ वर्षों के दौरान जब से नरेंद्र मोदी सत्ता में हैं, उनकी सरकार ने स्वयंसेवी संगठनों के प्रति कटु शत्रुता प्रदर्शित की है। शिक्षा, स्वास्थ्य, नीतिगत शोध और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में शानदार काम करने वाले संगठन और जिनका किसी राजनीतिक पार्टी या धार्मिक संगठन से कोई रिश्ता भी नहीं है, उन्हें कर छापे और एफसीआरए (फॉरेन कंट्रिब्यूशन नियंत्रण) अधिनियम के तहत मिली दान प्राप्त करने की मंजूरी को वापस लेकर प्रताड़ित किया गया है। कई संगठनों को प्रताड़ित किया गया है, जिनमें से ऑक्सफेम और सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च कुछ चुनींदा उदाहरण हैं। ठीक इसी समय मौजूदा सत्ता के प्रति उदार हिंदुत्व समूहों के लिए विदेश से फंड लेने पर परोक्ष रूप से कोई रोक नहीं है। कुछ साल पहले, जब गैर-सांप्रदायिक संगठनों का एफसीआरए पंजीकरण रद्द कर दिया गया था, जबकि अनिवासी हिंदू स्वतंत्र रूप से आरएसएस से जुड़े निकायों को वित्त पोषण कर रहे थे, तब कन्नड़ कार्टूनिस्ट पी. महमूद ने व्यंग्यात्मक टिप्पणी की थी: 'मोदी जी कहते हैं, वन नेशन, वन एनजीओ'।

सच तो यह है कि जब 2004 और 2014 के बीच सत्ता में थी, तब कांग्रेस ने भी एफसीआरए अधिनियम का दुरुपयोग एनजीओ को परेशान करने के लिए किया था, खासकर पर्यावरण और मानवाधिकारों पर काम करने वाले एनजीओ को परेशान करने के लिए। उसी समय, कांग्रेस ने सामाजिक कल्याण नीतियों (जैसे ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना) के संबंध में नागरिक समाज समूहों से सलाह भी मांगी थी। सत्ता में अभी मौजूद भाजपा सरकार सारे नागरिक समाज संगठनों पर तब तक अविश्वास करती है, जब तक कि वे उसके बहुसंख्यकवादी हिंदुत्व एजेंडे के साथ-साथ खुद प्रधानमंत्री के व्यक्तित्व पंथ को स्वीकार कर उसका उत्साहपूर्वक प्रचार नहीं करते हैं।

नागरिक समाज का यह डर वर्तमान सरकार के सामान्य रूप से स्वतंत्र जांच के डर से ही जुड़ा है। यही वजह है कि असाधारण और अभूतपूर्व तरीके से प्रधानमंत्री ने अपने दो कार्यकालों में एक भी प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित नहीं की है। इसीलिए प्रेस के उन वर्गों पर सरकार के हमले होते हैं, जो अब भी अपेक्षाकृत स्वतंत्र हैं। इसीलिए पत्रकारों और छात्र कार्यकर्ताओं को घिनौने यूएपीए के तहत जेल भेजा गया, इसीलिए (अप्रिय) सीएए और कृषि कानूनों के खिलाफ हुए सराहनीय शांतिपूर्ण विरोधों के खिलाफ जहरीला प्रचार किया गया। इसीलिए विदेशी विद्वानों को अनुसंधान वीजा देने से इनकार, और भारतीय विश्वविद्यालयों में भारतीय नागरिकों द्वारा चलाए जा रहे सेमिनारों पर अंकुश लगाया जा सकता है।

पुन:, निष्पक्षता से स्वीकार करना चाहिए कि भाजपा के अलावा अन्य दलों द्वारा संचालित कई राज्य सरकारें भी अपनी नीतियों के स्वतंत्र मूल्यांकन की ज्यादा सराहना नहीं करती हैं। यह बात पश्चिम बंगाल में माकपा शासन में सच थी और अब टीएमसी के समय भी, तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक के समय सच थी और अब द्रमुक के समय भी, आंध्र प्रदेश में वाईआरएस कांग्रेस शासन और तेलंगाना में टीआरएस शासन में भी यही सच है। बहरहाल, भाजपा ने नागरिक समाज और स्वतंत्र विचार के प्रति इस शत्रुता को एक बिल्कुल नए स्तर पर पहुंचा दिया है।

1830 के दशक में लिखते हुए, फ्रांसीसी विचारक, एलेक्सी दे तोक्यूविले ने तर्क दिया कि अमेरिकी लोकतंत्र को इसके फलते-फूलते स्वैच्छिक संघों द्वारा पोषित किया गया था। उस समय, कुलीन यूरोप भले ही सुस्त रहा हो, लेकिन 19वीं शताब्दी के अंत तक इसके अपने स्वयं के कई संपन्न स्वैच्छिक संघ थे। ये दो तरह के थे, आलोचनात्मक और रचनात्मक। पहले ने अपने नागरिकों को अभाव या भय से मुक्ति दिलाने में राज्य की विफलताओं पर प्रकाश डालने की कोशिश की; दूसरे ने स्वयं स्कूल, अस्पताल आदि स्थापित करके इन विफलताओं की भरपाई करने की मांग की।

तोक्यूविले के लगभग दो सदियों बाद लिखते हुए, मैं उनके इस विचार का समर्थन करता हूं कि किसी देश के नागरिक समाज का स्वास्थ्य समग्र रूप से उसकी राजनीतिक व्यवस्था के स्वास्थ्य के सूचकांक के रूप में काम कर सकता है। इस संबंध में, आपातकाल समाप्त होने के बाद के दशकों में भारत शायद सबसे अधिक लोकतांत्रिक था। फिर भी, 2014 से, राज्य ने स्वायत्तता से काम करने वाले समूहों और संगठनों के खिलाफ अपनी ताकत दिखानी शुरू कर दी। बेंगलुरू में सिविल सोसाइटी फोरम की हाल की बैठक में भाजपा के अपना प्रतिनिधि न भेजने के पीछे भूल या चूक नहीं थी, बल्कि सोच-विचार कर ऐसा किया गया। भाजपा स्वतंत्र प्रेस और एक सशक्त नागरिक समाज को अपनी विचारधारा के प्रचार और अपने शासन को बनाए रखने के लिए विरोधी के रूप में देखती है।

यूक्रेन के दलदल में जापान

डॉ. दिलीप चौबे

यूक्रेन संकट को लेकर जापान के प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा की अतिसक्रियता ने भारत की विदेश नीति के लिए एक नई समस्या पैदा कर दी है।

भारत यात्रा के बाद किशिदा सीधे यूक्रेन पहुंचे तथा वहां घोषणा की कि यूक्रेन एशिया का भविष्य है। ऐसे समय जबकि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने ताइवान संकट में उलझने से इनकार किया है, उस समय किशिदा यूक्रेन को लेकर चिंतित क्यों हैं। हजारों मील दूर पूर्वी यूरोपीय देश में संघर्ष से जापान की सुरक्षा को क्या खतरा है यह समझ से परे है। किशिदा सरकार ने देश की शांतिवादी विदेश और सुरक्षा नीति में बदलाव करते हुए रक्षा बजट में भारी वृद्धि की है। रूस जापान के इस बदलते रवैये से खुश नहीं है।

रूस और जापान के बीच कुछ द्वीपों (कुरील) को लेकर विवाद है। उसी क्षेत्र में रूस के तेल और गैस भंडार हैं जिनमें भारतीय कंपनियों का भारी निवेश है। इन्हीं संसाधनों का उपयोग करने के लिए भारत और रूस ने ब्लादिवोस्तोक और चेन्नई के बीच समुद्री परिवहन गलियारा संचालित करने की महत्त्वपूर्ण परियोजना पर काम शुरू किया है। किशिदा की यूक्रेन यात्रा के तुरंत बाद रूस ने अपने सुदूर-पूर्वी समुद्री बेड़े को सतर्क कर दिया तथा सैन्य अभ्यास शुरू किया। यह जापान के लिए सीधा संकेत था। अभी तक हिंद प्रशांत क्षेत्र में ताइवान ही संभावित संघर्ष का केंद्र माना जा रहा था। अब रूस और जापान के बीच तनातनी के संकेत से इस क्षेत्र में संघर्ष का एक नया क्षेत्र उभर रहा है। अब तक भारत यूक्रेन संकट को लेकर रूस और पश्चिमी देशों के साथ संबंधों में संतुलन बनाये रखा है। अब उसके सामने रूस और जापान के बीच संभावित शक्ति परीक्षण के संबंध में संतुलन कायम करने की चुनौती है। इन्हीं परिस्थितयों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अगले महीने के मध्य में जापान में आयोजित नेता के रूप में जी-7 शिखर वार्ता में आमंत्रित देश के नेता के रूप में भाग लेना है।

प्रधानमंत्री मोदी को जी-7 शिखर वार्ता में पश्चिमी देशों और जापान के दबाव का सामना करना होगा। इन देशों की ओर से यह दबाव डाला जाएगा कि भारत यूक्रेन युद्ध के संबंध में तटस्थता के अपने रवैये में बदलाव करे। वास्तव में अभूतपूर्व आर्थिक और राजनीतिक प्रतिबंधों का सामना कर रहे रूस को भारत से बहुत संबल मिला है। एक ओर चीन ने रूस के साथ अघोषित सैन्य लामबंदी की है वहीं दूसरी ओर भारत ने आर्थिक और राजनयिक नजरिये से रूस को अलग-थलग करने की कोशिशों को नाकाम बनाया है। भारत के इस रवैये से पश्चिमी देश नाराज हैं। हालांकि उन्होंने सार्वजनिक रूप से इसका इजहार नहीं किया है। लेकिन आने वाले दिनों में भारत के प्रति इन देशों का रवैया सख्त होगा। इसका संकेत जापान ने हाल में आयोजित जी-7 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य में दिखाई दिया।

जी-7 देशों ने यह चेतावनी दी है कि रूस के खिलाफ लगाए गए प्रतिबंधों की अनदेखी करने वाले देशों को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। यह धमकी देते समय संयुक्त वक्तव्य में चीन या भारत का नाम नहीं लिया गया। भारत रियायती मूल्य पर रूस से बड़ी मात्रा में कच्चे तेल का आयात कर रहा है। अभी तक रूसी तेल की कीमत जी-7 देशों की ओर से मनमाने तौर पर लागू की गई अधिकतम (प्राइसकैप) धनराशि के दायरे में ही थी।

लेकिन अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे मेल की कीमतों में हो रही वृद्धि के कारण यह संभव है कि भारत को रूसी तेल प्राइस कैप के ऊपर खरीदना पड़े। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल में कहा था कि भारत प्राइस कैप के ऊपर भी रूसी तेल खरीद सकता है। यदि ऐसा होता है तो यह पश्चिमी देशों को खुली चुनौती होगी।

दुनिया में अमेरिका के प्रभाव में कमी आ रही है, लेकिन इसके बावजूद वह किसी भी देश का हाथ मरोड़ सकता है। शीत युद्ध के दौरान अमेरिका ने विरोधी देशों में तख्ता-पलट कराने और राजनीतिक नेताओं की हत्या कराने के हथकंडे अपनाये थे। अब समय बदल गया है, लेकिन किसी भी देश को अमेरिका के कोप का सामना करना पड़ सकता है। प्रधानमंत्री मोदी को अगले वर्ष आम चुनाव में जनादेश लेना है। रूस के रियायती कच्चे तेल से आर्थिक मोर्चे पर देश को राहत मिली है, लेकिन अमेरिका की कोप दृष्टि घरेलू मोर्चे पर भी मोदी के लिए सिरदर्द साबित हो सकती है।

वेडिंग फंक्शन्स में आपको स्टाइलिश दिखाएंगे ये टिप्स

वेडिंग में कई फंक्शन्स होते हैं, जिनके लिए अलग-अलग ड्रेसेस पहनने का मजा ही कुछ और है। इनमें हल्दी फंक्शन का क्रेज लड़कियों के बीच खूब देखा जाता है। हल्दी के दौरान पीले कपड़े पहनने से न सिर्फ फैशन के नजरिए से कॉम्बिनेशन काफी अच्छा लगता है बल्कि पीले रंग के साथ ज्यादातर ज्वैलरी भी अच्छी लगती हैं। आप भी अगर अपनी हल्दी पर स्टाइलिश दिखना चाहती हैं, तो ये टिप्स आपके काम आएंगे।

हल्दी सेरेमनी पीले रंग के कपड़े क्यों पहनें

हल्दी छुड़ाना काफी मुश्किल हो सकता है, इसलिए क्यों न इस दिन पीली ड्रेस ही पहनी जाए। पीले के अलग-अलग शेड्स में से आप चुन सकती हैं। मस्टर्ड येलो, ऐंबर येलो, लेमन येलो में से आप चुन सकती हैं। यदि आपको येलो नहीं पहनना हो, तो आप क्रीम या कोई और लाइट कलर पहन सकती हैं।

हल्दी सेरेमनी के लिए टिप्स

- अगर आपकी हल्दी सेरेमनी है, तो ऐसे में आप स्लीव्स कट सिंपल और प्लेन लहंगा-चोली पहनें, जिसके किनारे पर गोल्डन या सिल्वर कलर का बॉर्डर हो।
- हल्दी सेरेमनी पर पटियाला सलवार के साथ शार्ट कॉटन कुर्ती भी बेहद स्टाइलिश लगेगी। पटियाला सूट के साथ आप अपनी पसंदानुसार एम्ब्रॉयडरी जैकेट या फिर कोई लाइट दुपट्टा कैरी करना अच्छा ऑप्शन रहेगा।
- आपको अगर साड़ी पहननी है, तो पीले रंग की सिम्पल साड़ी पहनें या फिर लाल, नारंगी रंग की साड़ी भी काफी अच्छी लगेगा। इसके साथ मैचिंग पर्ल ज्वैलरी या फूलों की ज्वैलरी भी काफी ट्रेंडिंग लगेगी।

हैवी दुपट्टा

हल्दी के मौके पर दुपट्टा आपके लिए आफत बन सकता है, इसलिए लाइट स्टोल या स्कॉर्फ तक ठीक है लेकिन हैवी दुपट्टा लेने से बचें।

स्टोन, हैवी ज्वैलरी

स्टोन या हैवी ज्वैलरी पर अगर हल्दी लग गई, तो आपके लिए खासी दिक्कत हो जाएगी।

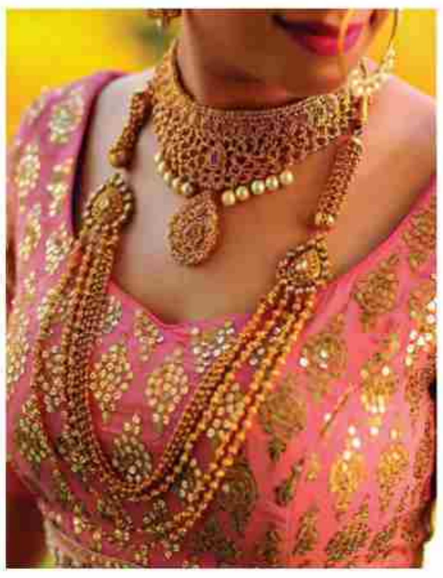

दमकती त्वचा का सपना पूरा करेंगे इन फलों के छिलके

आज तक आपने अच्छी सेहत बनाए रखने के लिए फलों को डाइट में शामिल करने की सलाह तो कई बार सुनी होगी पर क्या आप जानते हैं फल अगर आपको अच्छी सेहत पाने में मदद करते हैं तो फलों के छिलके आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम भी कर सकते हैं। आइए जानते हैं दमकती त्वचा पाने के लिए कैसे करें फलों के छिलकों का इस्तेमाल।

पपीते का छिलका

चेहरे का रूखापन दूर करके त्वचा का ग्लो बढ़ाने का काम करता है पपीते का छिलका। इसके लिए पपीते के छिलके को सुखाकर बारीक पीस कर इसका पाउडर बना लें। अब दो चम्मच पाउडर में एक चम्मच ग्लिसरीन मिलाकर उसका गाढ़ा पेस्ट बनाकर उसे अपने चेहरे पर फेस पैक की तरह लगा लें। पैक सूख जाने पर अपना चेहरा धों लें। चेहरे की टैनिंग हटाने के लिए पपीते के छिलके को पीसकर उसमें नींबू का रस मिला का इस्तेमाल करें।

संतरे का छिलका

चेहरे पर मौजूद दाग-धब्बे, मुहांसों और टैनिंग से निजात पाने के लिए संतरे के छिलके को पीसकर उसका बारीक पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में 2 चम्मच कच्चा दूध और दो चुटकी हल्दी मिलाकर इस पेस्ट को फेस पैक की तरह चेहरे पर लगाएं। पैक सूखने पर चेहरे ठंडे पानी से धो लें।

नींबू का छिलका

टैनिंग दूर करने के लिए नींबू के छिलके को पीसकर उसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर फेस पैक की तरह इस्तेमाल करें।

केले का छिलका

टैनिंग से छुटकारा पाने के लिए आप केले के छिलके के अंदरूनी सफेद भाग को चेहरे पर हल्के हाथों से बीस मिनट तक रगड़ें। इसके बाद चेहरा धो लें। ऐसा करने से चेहरे की चमक बढ़ती है।

आम का छिलका

चेहरे की झुर्रियों को कम करने के लिए आम के छिलके को पीसकर इसका पेस्ट चेहरे पर लगाने से मुहांसों और झुर्रियों को कम करने में मदद मिलती है। इसके लिए आम के छिलके को सुखाकर इसका पाउडर बना कर गुलाब जल के साथ, गेहूं के आटे में मिलाकर चेहरे पर उबटन की तरह इस्तेमाल करें।

कई लोग अपनी हाइट से नाखुश रहते है, उन्हें लगता हैं कि वे थोड़े और लंबे होते तो अच्छा होता। लेकिन अगर कम व अवरेज हाइट होने पर भी सही ड्रस व कपड़ों का चयन करें तो छोटी हाइट को भी लंबा दिखा सकते हैं। आइए, हम आपको कपड़ों के चयन से जुड़ी कुछ ऐसी बातें बताते हैं जो छोटी हाइट को लंबा दिखाने में कारगर साबित होंगी -

छोटी हाइट होने पर कैसे करें कपड़ों का चयन

- ऐसी ड्रेस पहनें जिसमें पैर दिखें तो आप लंबी नजर आएंगी जैसे ऐसी कोई शॉर्ट ड्रेस, जो घुटने तक या उससे ऊपर हो। इस तरह की ड्रेस पहनकर छोटे कद को लंबा दिखाया जा सकता है।
- अगर आपका कद छोटा है तो आप हाई वेस्ट की जींस पहन सकती हैं। इस जींस में आपके पैर लंबे नजर आएंगे जिससे देखने वालों को आपकी लंबाई अधिक होने का एहसास होगा।
- छोटे कद को लंबा दिखाने के लिए ऐसे कपड़ों का चयन करें जो वी नेक के हो, जैसे वी-नेक वाली शर्ट, टी-शर्ट, कुर्ती व ड्रेस आदि। गोल गले के कपड़े पहनने से आपको बचना चाहिए।
- कद को लंबा दिखाने के लिए सर से पैर तक एक ही रंग के कपड़ें पहनें, जैसे टॉप और बॉटम दोनों का एक ही रंग होने पर आपका कद लंबा नजर आएगा। वैसे छोटे कद पर गहरे रंग के कपड़ें भी देखने वालों को लंबा होने का एहसास देते है।
- गाउन पहनकर भी आप लंबी नजर आ सकती हैं।
- कपड़ों के अलावा हाई हील्स पहनकर भी आप हाइट को बढ़ा हुआ दिखा सकती हैं।

ट्रेंडी हैं को-ऑरड्स इस समर शॉपिंग लिस्ट में करें शामिल

गर्मियों में कम्फर्टबल आउटफिट्स खरीदना चाहती हैं तो को-ऑरड्स ट्राई करें। ये आउटफिट गर्मियों के लिए फिट होने के साथ बेहद स्टाइलिश भी है। गर्मी के मौसम में को-ऑरड्स फैशन जबरदस्त ट्रेंड में है। इसको पहनने के कई फायदे हैं। इन्हें पहनने में झंझट नहीं होता, गर्मियों के हिसाब से कम्फर्टबल है वहीं स्टाइल के मामले में भी नंबर वन। इन टू-पीस सेट्स के साथ आपको ज्यादा अक्सेसरीज भी कैरी करने की जरूरत नहीं। अगर आप अभी भी इस फैशन को ट्राई करने में झिझक रहे हैं तो बॉलिवुड सिलेब्स से आइडिया ले सकते हैं।

बच्चों की मजबूत इम्युनिटी के लिए जन्म के पांच साल के अंदर जरूरी है ये वैक्सीनेशन

कहते हैं हेल्थ एक प्रोसेस है। आप एक दिन में हेल्दी नहीं होते। कई छोटी-छोटी चीजें आपको मजबूत बनाती हैं। यही बात इम्युनिटी पर भी लागू होती है। मजबूत इम्युनिटी हमारे बचपन के खान-पान पर भी निर्भर करती है। वहीं, बचपन में कुछ ऐसे टीके होते हैं, जिनके लगने से गंभीर बीमारियों से बचाव होता है। आज हम आपको ऐसे टीके बता रहे हैं, जिन्हें पांच साल के अंदर बच्चों को लगवाना बहुत जरूरी है।

ये टीके हैं बेहद जरूरी

- गर्भवती महिला एंव गर्भ मे पल रहे शिशु को टिटेनस की बीमारी से बचाने के लियेटिटेनसटाक्साइड 1 / बूस्टर टीका और दूसरा टीका एक महिने के अंतर में लगवाएं। अगर पिछले तीन वर्ष मे दो टीके लगे हों तो केवल एक टीका लगवा लेना ही काफी होता है।
- हेपेटाइटिस बी वायरस के संक्रमण से लीवर की सूजन आ जाती है, पीलिया हो जाता है और लंबे समय तक संक्रमण के बाद लीवर कैंसर का भी खतरा हो सकता है। यह टीका बेहद जरूरी है जो हिपेटाइटिस बी के संक्रमण से बचाव करता है।
- डीपीटी टीकों की एक श्रेणी होती है, जो इंसानो को होने वाले तीन संक्रामक बीमारियों डिफ्थीरिया, पर्टुसिस (काली खांसी) और टिटनेस से बचाव के लिए दिए जाते हैं।
- पोलियो का टीका पोलियो नामक बीमारी जिसमें बच्चे अपंग हो जाते हैं, से सुरक्षा प्रदान करता है। यह टीका भी बच्चों को जरूर लगवाना चाहिए।
- बच्चे को टीबी से बचाने के लिए अनिवार्य रूप से बी सी जी का टीका लगवा दें। बीसीजी का टीका लग जाने पर शिशु को टीबी की बीमारी से बचाया जा सकता है।
- हिब वेक्सीन का टीका बच्चों को डिफ्थीरिया, काली खांसी, टेटनस, हेपेटाइटिस-बी और एच इन्फलांजी-बी से सुरक्षित रखता है। हिब बेक्टीरिया के संक्रमण से न्यूमोनिया एवं मष्तिष्क ज्वर (मेनिनजाइटिस) जैसी गंभीर बीमारी हो सकती हैं।

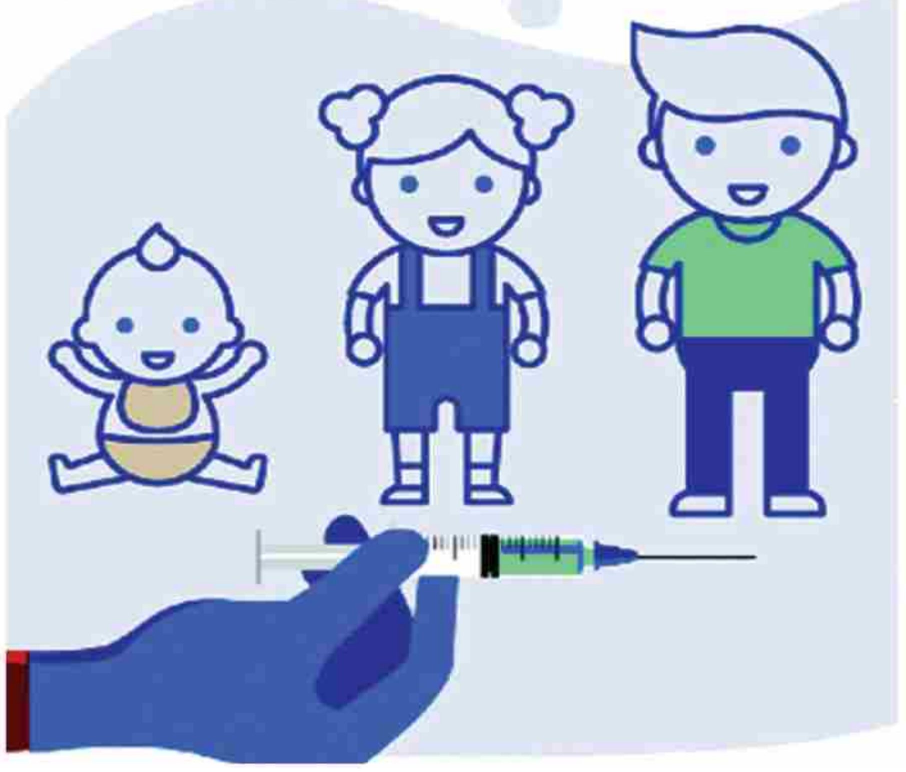

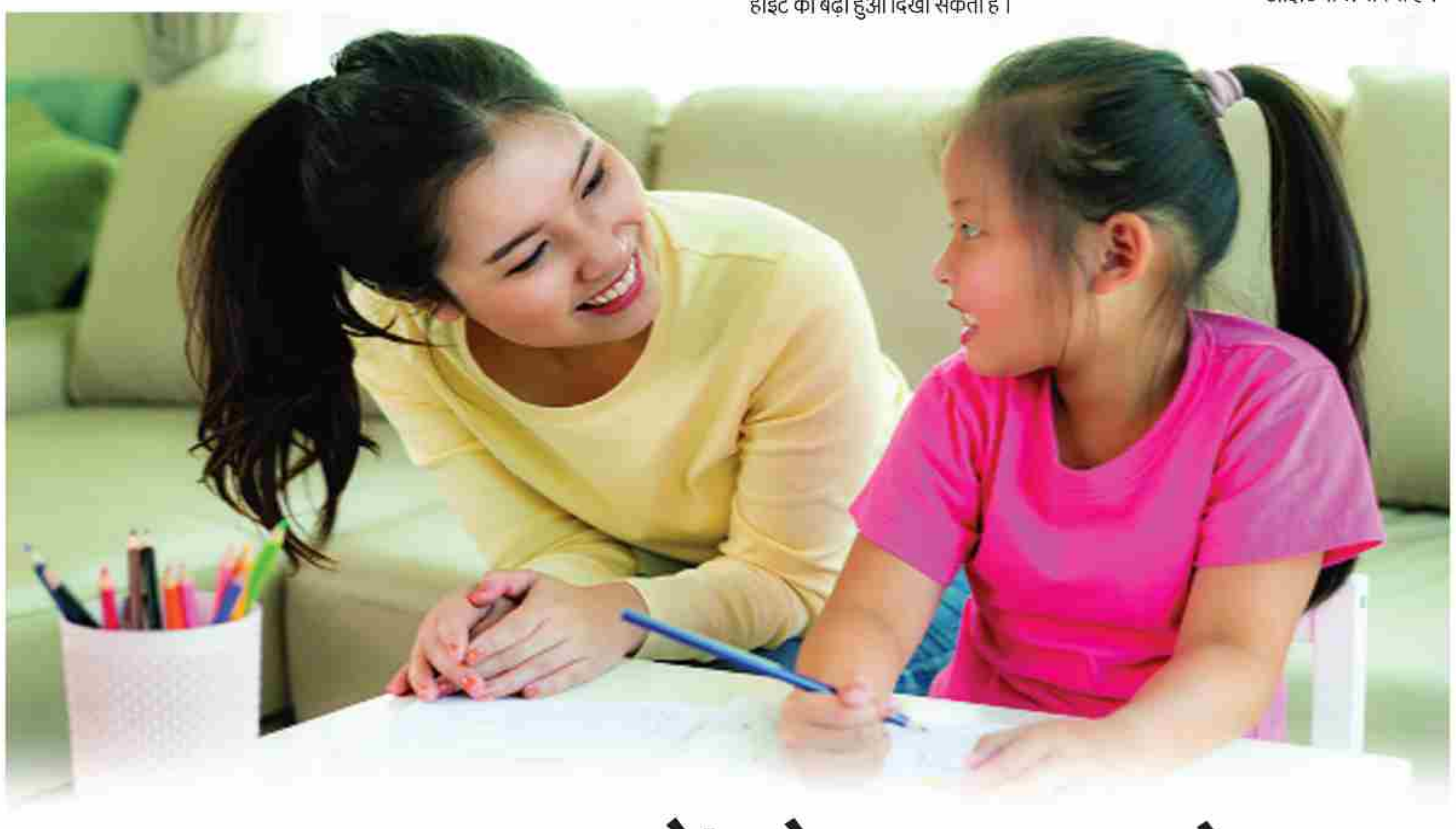

बच्चों से लालच देकर कोई काम न कराएं

'आप अगर खाना नहीं खाओगे, तो रात में भूत आ जाएगा।' क्या आपने भी अपने बच्चे को खाना खिलाने के लिए ऐसा ही कोई बहाना बनाया है? आपका जवाब अगर हां है, तो आपको यह बात समझने की जरूरत है कि कभी-कभी हम बच्चों को अच्छी बातें सिखाने के लिए कुछ ऐसा बोल जाते हैं, जिससे कि उनके मन में कई डर घर कर जाते हैं। इसके अलावा बच्चे अनजाने में ही कई गलत आदतें सीख जाते हैं। इस कारण आपको कुछ बातें याद रखनी चाहिए-

आमतौर अपनी बात मनवाने के लिए माता-पिता बच्चे को कोई लालच देते हैं। जैसे होमवर्क पूरा करने या बाहर न जाने के बदले उसे आइसक्रीम या खिलौने का लालच। ऐसा करना बेहद गलत है क्योंकि इसके बाद भी बच्ची सही बर्ताव करने के बदले आपसे अपनी डिमांड को पूरा करवाने की कोशिश करेगा।

किसी के सामने कोई एक्टिंग करने के लिए कहना

आमतौर पर माता-पिता बच्चों को कोई डांस या एक्टिंग करने के लिए कहते हैं। ऐसा करना शायद एंटरटेनिंग लगे, लेकिन इससे बच्चों के दिमाग पर गलत असर पड़ता है। बार-बार ऐसा कहने पर बच्चे को लगने लगता है कि अगर वह ये सब नहीं करेगा, तो उसके मम्मी-पापा उसे प्यार नहीं करेंगे या फिर मारेंगे।

किसी के सामने बच्चों पर न चिल्लाएं

अधिकतर माता-पिता बच्चों को किसी मॉल में, पब्लिक प्लेस में या फिर किसी पार्क में ही डांटना शुरू कर देते हैं।

इस दौरान बच्चा आपकी बातें न सुनकर वो इस बात पर ध्यान देने लगता है कि आसपास के लोग सुन रहे हैं इसलिए हमेशा बच्चे को एकांत में उसके व्यवहार के बारे में बताएं ताकि वे अपने बुरे व्यवहार को छोड़ सके।

दूसरे बच्चों से तुलना

अपना बच्चा सभी को प्यारा लगता है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप अपने बच्चे को फील गुड कराने के लिए उसकी तुलना दूसरों बच्चों से करेंगे। कई बार ऐसा होता है कि बच्चे को मोटिवेट करने के लिए माता-पिता किसी बच्चे को बुरा बताते हुए अपने बच्चे की तुलना करते हैं। ऐसा करने से आपका बच्चा उस दूसरे बच्चे के लिए मन में नेगेटिव इमेज बना लेगा। आगे चलकर यह नेगेटिव चीज उसकी पर्सनैलिटी का हिस्सा भी बन सकती है।

गलती करने पर गुस्सा करना

कभी-कभी मां-बाप अपने ऑफिस का गुस्सा या किसी और बात का गुस्सा अपने बच्चों पर निकाल देते हैं। साथ ही माता-पिता गुस्से में अपने बच्चे को उस गलती की सजा दे देते हैं, जिसे नजरअंदाज किया जा सकता था। बच्चे को अनुशासन सिखाते वक्त अपनी दूसरी समस्याओं और गुस्से को अलग रखें।

गाजियाबाद में टिकट कटने से नाराज भाजपा कार्यकर्ताओं का पार्टी कार्यालय पर हंगामा, अरुण जैन ने पार्टी छोड़ी

गाजियाबाद । भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) ने नगर निगम मेयर,नगर पालिका परिषद, नगर पंचायत के अध्यक्ष तथा नगर निगम पार्षद पद के उम्मीदवारों के नाम की घोषणा कर दी। जिसके बाद जिन्हें टिकट मिल गया उनके चेहरे पर रौनक छा गयी, जबकि जिन्हें नहीं मिला उनके चेहरे लटक गए। टिकट कटने से नाराज भाजपा कार्यकर्ताओं ने जहां महानगर कार्यालय पर हंगामा किया, वहीं कई पार्षदों ने पार्टी संगठन पर टिकट बेचने का आरोप भी लगाया। वहीं बजरिया के पार्षद अरुण जैन ने भाजपा छोड़कर आम आदमी पार्टी का दामन थाम लिया और अब वह आम आदमी पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ेंगे। आज दिन भर भाजपा कार्यकर्ताओं में पार्टी की उम्मीदवारों की लोगों की धड़कन घटती बढ़ती रही। शाम को जैसे ही 100 वार्डों के लिए भाजपा के उम्मीदवारों की सूची जारी हुई वैसे ही खलबली मच गई। पाल समाज के लोगों ने भाजपा के महानगर कार्यालय पर जमकर हंगामा किया।

दिल्ली के शादीपुर में शख्स की पीट-पीट कर हत्या, 2 गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के शादीपुर इलाके में रोड रेज की एक घटना में 39 वर्षीय एक व्यक्ति की दो लोगों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। आरोपियों की पहचान मनीष कुमार (19) और लालचंद उर्फ प्रमोद (20) के रूप में हुई है। घटना हुई। घटना की सूचना पुलिस को रात करीब 11.30 बजे मिली। फोन करने वाले ने कहा कि सड़क पर एक व्यक्ति घायल अवस्था में पड़ा हुआ है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, 'मनीष और लालचंद कैब में जा रहे थे। तीसरा व्यक्ति अपनी स्कूटी पर जा रहा था। तीनों में पहले पैसेज देने को लेकर कहासुनी हुई, जिसके बाद उनके बीच हाथापाई हुई। आरोपी ने उसे धक्का दे दिया और उसकी पिटाई की। बाद में मौके पर पहुंची पुलिस टीम को पता चला कि स्थानीय निवासियों ने घायल व्यक्ति को नजदीकी सरकारी अस्पताल पहुंचाया। मृतक, जिसकी पहचान बाद में पंकज ठाकुर के रूप में हुई, को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने कहा, अपराध स्थल के निरीक्षण, स्थानीय खुफिया जानकारी और सीसीटीवी फुटेज की स्कैनिंग के आधार पर दो कथित व्यक्तियों की पहचान की गई। मामले की शुरुआती जांच में पता चला है कि आरोपी ने पंकज को लात-घूसों से पीटा था।

पंजाब के अमन-चैन और सुरक्षा के लिए हम वचनबद्धः केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने खालिस्तानी नेता अमृतपाल सिंह की गिरफ्तारी को पंजाब पुलिस की एक बड़ी कामयाबी बताया और कहा कि आम आदमी पार्टी राज्य के अमन-चैन और सुरक्षा के लिए वचनबद्ध है।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल ने पंजाब के

मुख्यमंत्री भगवंत मान के बयान को रिट्वीट करते हुए कहा कि पंजाब के अमन-चैन और सुरक्षा के लिए हम वचनबद्ध हैं। इसके लिए कठोर निर्णय लेने को भी हम तैयार हैं। मुख्यमंत्री मान ने इस मिशन को परिपक्वता और साहस से पूरा किया है। बिना किसी रक्तपात और गोली चलाए पंजाब पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। इस दौरान शांति बनाए रखने और पंजाब पुलिस का साथ देने के लिए जनता का बहुत-बहुत धन्यवाद। उल्लेखनीय है कि अमृतपाल सिंह काफी दिनों से फरार चल रहा था। गिरफ्तारी के बाद उसको असम के डिब्रूगढ़ जेल ले जाया गया है।

डीसीडब्ल्यू ने महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न के दावे पर प्राथमिकी दर्ज न करने पर पुलिस को दिया नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने ी भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह द्वारा महिला पहलवानों के साथ यौन उत्पीड़न मामले में दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर कार्रवाई रिपोर्ट मांगी है। डीसीडब्ल्यू ने एफआईआर की कॉपी मांगी है और दिल्ली पुलिस से एफआईआर दर्ज करने में देरी के कारण बताने को कहा है। डीसीडब्ल्यू ने मामले में की गई गिरफ्तारियों का ब्योरा भी मांगा है।

डीसीडब्ल्यू द्वारा मिली जानकारी के अनुसार, भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह द्वारा महिला पहलवानों के साथ यौन उत्पीड़न की शिकायत डीसीडब्ल्यू को मिली है। शिकायतकर्ता ने डीसीडब्ल्यू को सूचित किया है कि एक नाबालिग सहित कई महिला पहलवानों ने आरोप लगाया है कि आरोपित व्यक्ति भारतीय कुश्ती महासंघ में अपने कार्यकाल के दौरान उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न के अपराध में शामिल रहा है।

उल्लेखनीय है कि ी सभी पहलवान दिल्ली के जंतर मंतर में प्रदर्शन करने के लिए इक्ट्ठा भी हुए है। डीसीडब्ल्यू को दी शिकायत में बताया गया है कि इस संबंध में उनके द्वारा कनॉट प्लेस थाने में 21 अप्रैल

को एक शिकायत दी गई थी। उन्होंने आगे बताया कि कनॉट प्लेस के एसएचओ द्वारा शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की गई।

उन्होंने यह भी कहा है कि जब शनिवार को कनॉट प्लेस के एसएचओ को शिकायत की स्थिति के बारे में पूछताछ करने के लिए फोन किया, तो उन्होंने बताया कि कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है और सोमवार के बाद शिकायत पर कार्रवाई की जाएगी।

उसने आगे कहा है कि जब उसने उससे सोमवार तक प्राथमिकी दर्ज करने का आश्वासन मांगा, तो उसने उत्तर दिया कि वह इसकी गारंटी नहीं दे सकता।

डीसीडब्ल्यू की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने कहा, 'यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि महिला पहलवान यौन उत्पीड़न की अपनी एफआईआर दर्ज नहीं करा पा रही हैं। उन्होंने दिल्ली पुलिस को शिकायत की है, अभी तक कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। मैंने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर रिपोर्ट मांगी है। तुरंत प्राथमिकी दर्ज की जानी चाहिए और आरोपियों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। 2 दिन बीत जाने के बाद भी प्राथमिकी दर्ज करने में विफल रहने वाले पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।'

अमृतपाल की गिरफ्तारी के बाद संजय सिंह ने पंजाब सरकार की थपथपाई पीठ

नई दिल्ली। अमृतपाल सिंह की गिरफ्तारी के बाद आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने पंजाब सरकार की पीठ थपथपाई है। सिंह का कहना है कि आम आदमी पार्टी ने यह साबित कर दिया है कि 'आप' सरकार कानून व्यवस्था के मामले में कोई समझौता नहीं करेगी। पंजाब की जनता की सुरक्षा हमारे लिए सर्वोपरि है और वहां के लोगों की सुख -शांति हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि यह बात साबित हो गई कि भगवंत मान कि सरकार जरूरत पड़ने पर सख्त से सख्त कदम उठाने में भी पीछे नहीं हटती है।

पिछले एक महीने से लगातार अमृतपाल के अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की गई। अमृतपाल पर इतना दबाव बन गया कि विवश होकर आखिरकार उसे अपनी गिरफ्तारी देनी पड़ी। उन्होंने कहा कि

पंजाब पुलिस ने साहसिक कदम उठाया है और बहुत ही सूझबूझ का परिचय दिया है। सिंह ने आगे कहा कि इस पूरी कार्रवाई के दौरान पंजाब का अमन-चैन और शांति भंग नहीं होने दी गई। किसी तरह की कोई हिंसक घटना नहीं हुई। ऐसे में यह साबित हो गया कि जरूरत पड़ने पर आम आदमी पार्टी की सरकार सख्त से सख्त कार्रवाई करेगी।

बीजेपी ने हरिकांत अहलूवालिया को मेरठ और गाज़ियाबाद से सुनीता दयाल को दिए टिकट,अर्चना को भी बनाया प्रत्याशी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश नगरीय निकाय चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रात नगर निगम के महापौर उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर दी। नगरीय निकाय के दूसरे चरण के चुनाव हेतु नामांकन की अंतिम तिथि सोमवार को है। सात नगर निगमों के महापौर उम्मीदवारों की जारी सूची में अर्चना वर्मा का भी नाम है। भाजपा ने उन्हें शाहजहांपुर नगर निगम से महापौर का उम्मीदवार घोषित किया है। प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री राममूर्ति वर्मा की बहू अर्चना वर्मा को सपा ने भी शाहजहांपुर से महापौर का उम्मीदवार बनाया था, लेकिन नामांकन के एक दिन पहले रविवार शाम को पाला बदलते हुए उन्होंने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली थी और पार्टी बदलते ही उन्हें टिकट दे दिया गया है इसके अलावा भाजपा ने अयोध्या नगर निगम से गिरीशपति त्रिपाठी, कानपुर से प्रमिला पांडेय, मेरठ से हरीकांत अहलूवालिया, गाजियाबाद से सुनीता दयाल, अलीगढ़ से प्रशान्त सिंहल और बरेली से उमेश गौतम को

महापौर पद के लिए पार्टी का अधिकृत उम्मीदवार घोषित किया गया है। मेरठ में लंबे इंतजार के बाद भाजपा ने निकाय चुनाव के लिए प्रत्याशियों की सूची जारी करनी शुरू कर दी है।मेरठ और गाजियाबाद में काफी मंथन के बाद भाजपा शीर्ष नेतृत्व ने महापौर प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी है। मेरठ से भाजपा के टिकट पर महापौर प्रत्याशी हरिकांत अहलूवालिया के रूप में मैदान में उतारे गए हैं।

नोएडा के लिए 6,920 करोड़ का बजट पास,जमीन अधिग्रहण के लिए खर्च होंगे 1500 करोड़

नोएडा। नोएडा के विकास के लिए वित्तीय साल 2023-24 के लिए 6,920 करोड़ का बजट पास किया गया है। ये बजट 209वीं बोर्ड में अवस्थापन एवं औद्योगिक विकास आयुक्त व नोएडा प्राधिकरण के चेयरमैन मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में पास किया गया। इस मौके पर प्रमुख सचिव अवस्थापन एवं औद्योगिक नरेंद्र भूषण, सीईओ नोएडा ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण रितु माहेश्वरी, यमुना विकास प्राधिकरण की एसीईओ मोनिका रानी के अलावा अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

वित्तीय वर्ष 2023-23 में कुल खर्च करने का लक्ष्य 6,503 करोड़ रूपए रखा गया है जिसे बढ़ाया गया है। दरअसल 2022-23 में 4,880.62 करोड़ का बजट था। जिसमें 4579.52 करोड़ विकास पर खर्च होने थे। लेकिन, राजस्व 132 प्रतिशत अधिक और खर्चा बजट से 108 प्रतिशत अधिक हुआ। यानी विगत वर्ष में आय और व्यय दोनों ही निर्धारित लक्ष्य ये ज्यादा हुआ। इसकी बड़ी वजह औद्योगिक, आवासीय, ग्रुप हाउसिंग और वाणिज्यिक भूखंडों का ई ऑक्शन रहा। लैंड बैंक बढ़ाने में 1500 करोड़ और विकास पर 1906 करोड़ होंगे खर्च।

प्राधिकरण अपना लैंड बैंक बढ़ाने जा रहा है। नोएडा क्षेत्र के लिए 500 करोड़ और न्यू नोएडा

(डीएनजीआईआर) के लिए 1000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। वहीं विकास कार्यों पर 1906 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इसमें निमार्णाधीन परियोजनाएं सेक्टर-96 में प्रशासनिक कार्यालय, चिल्ला रेगुलेटर से महामाया फ्लाई ओवर तक एलिवेटड रोड, अगाहपुर से भंगेल एलिवेटड रोड, एक्सप्रेस वे चैनेज 2.36 और चैनेज 10.3 पर अंडरपास का निर्माण व कुछ नए सेक्टर शामिल किए गए है। गांवों के विकास के लिए नोएडा प्राधिकरण इस बार 141 करोड़ रुपए खर्च करेगा जिसमें गांवों में साफ-सफाई, सड़क की मरम्मत, शहरी अनुरक्षण कार्य शामिल है। शहर में बहुमंजिला इमारतों के स्ट्रक्च र ऑडिट के लिए पैनल का गठन किया गया है। प्राधिकरण के बोर्ड मैंबरों ने इस पैनल को हरी झंडी दे दी है। इस पैनल में सात संस्थाओं को शामिल किया गया है। जिसमें दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी दिल्ली, आईआईटी कानपुर, एमएनआईटी इलाहाबाद, बीआईटीएस पिलानी, एएमयू अलीगढ़, एमएनआईटी जयपुर और सीबीआरआई रुड़की है। पालिसी के तहत आंशिक और पूर्ण सीसी प्राप्त होने पर ऑनलाइन आवेदन पत्रों के साथ गठित किए गए पैनल में किसी एक संस्था से स्ट्रक्च र ऑडिट की रिपोर्ट प्राप्त कर उसे लगाना अनिवार्य है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा से निकलने वाले म्यूनिसिपल सॉलिड वेस्ट की प्रोसेसिंग एवं सांटिफिक डिस्पोजल के लिए अस्तौली ग्रेटर नोएडा में प्लांट लगाया जाएगा। दो कंपनियां प्लांट लगाएंगी। पहली इंडो एनवायरो इंटीग्रेटड सोल्यूशन लिमिटेड/एवर एनवायरो रिसोर्सेस मैनेमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से 300 टीडीपी क्षमता का बायो सीएनजी प्लांट (निस्तारण ग्रेटर नोएडा का 100 टीडीपी नोएडा का प्राधिकरण 200 टीडीपी) और दूसरा प्लांट एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड की ओर से 1100 टीडीपी (नोएडा का 600 टीडीपी और ग्रेटर नोएडा का 500 टीडीपी)। मिक्स वेस्ट से टोरिफाइड चारकोल बनाया जाएगा। इसके लिए प्राधिकरण को कोई खर्च नहीं करना होगा। बल्कि सिर्फ जमीन देनी होगी। इसके साथ साथ नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए निर्माण के लिए दूसरे चरण के लिए मार्च 2023 तक नोएडा प्राधिकरण की ओर से 4 किस्तों में 1359 करोड़ 12 लाख 80 हजार 170 रुपए का भुगतान किया जा चुका है।

गौतमबुद्ध यूनिवर्सिटी के गर्ल्स ड्हॉस्टल में लगी आग, मचा हड़कंप

ग्रेटर नोएडा । थाना ईकोटेक-प्रथम क्षेत्र में स्थित गौतमबुद्ध यूनिवर्सिटी के गर्ल्स हॉस्टल में देर रात करीब 3 बजे शार्ट सर्किट के चलते आग लग गई। इस घटना के चलते हॉस्टल में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची दमकल विभाग की गाड़ी और पुलिस ने आग पर काबू पाया।

मुख्य दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि रविवार रात

करीब 3 बजे फायर बिग्रेड को सूचना मिली कि गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के गर्ल्स हॉस्टल में शार्ट सर्किट के चलते आग लग गई है। उन्होंने बताया कि मौके पर फायर बिग्रेड की गाड़ियां और पुलिस पहुंची।

उन्होंने बताया कि आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग के चलते हॉस्टल में काफी तेज धुआं निकला जिसकी वजह से वहां रह रही छात्राओं में भगदड़ मच गई। पुलिस ने छात्राओं को सकुशल बाहर निकाला, तथा आग पर काबू पाया। इस घटना के चलते छात्राओं में दहशत व्याप्त है। कुछ छात्राएं हॉस्टल छोड़ने की तैयारी कर रही हैं।

दिल्ली में मेयर चुनाव से पहले आप को बड़ा झटका, द्वारका सी वार्ड की पार्षद सुनीता भाजपा में शामिल

नई दिल्ली। मेयर चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी को झटका लगा है। द्वारका सी वार्ड की पार्षद सुनीता और उनके पति पूर्व पार्षद रामनिवास पहलवान ने आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और पश्चिमी दिल्ली के सांसद प्रवेश वर्मा ने उनका पार्टी में स्वागत किया।

कई और पार्षद होंगे भाजपा में शामिल- प्रवेश वर्मा

प्रवेश वर्मा ने दावा किया कि आने वाले दिनों में कई और पार्षद आप छोड़कर भाजपा में शामिल होंगे। अब भाजपा पार्षदों की संख्या 107 हो गई है। सुनीता व उनके पति पहले भाजपा में थे। नगर निगम चुनाव से पहले दोनों आप में शामिल हो गए थे।

सोमवार को दोनों वापस भाजपा में लौट आए।

सचदेवा ने कहा कि भाजपा आबकारी घोटाला व आप सरकार के अन्य भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष कर रही है। यहां कार्यकर्ताओं के सुझाव से काम किया जाता है। वहीं, आप में कार्यकर्ताओं को बोलने की स्वतंत्रता नहीं है। वहां किसी विषय पर विचार नहीं कार्यकर्ताओं की प्रताड़ना होती है। इससे आप कार्यकर्ताओं में रोष है। लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व से प्रभावित होकर भाजपा में शामिल हो रहे हैं।

सुनीता ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ व भाजपा से मिले संस्कार के कारण उनका परिवार समाज के लिए काम कर रहा है। शुरू से भाजपा से जुड़े रहे हैं, लेकिन किसी कारणवश आप में चले गए थे। अब पहले से ज्यादा समर्पित होकर पार्टी के लिए काम करेंगे।

भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचीं महिला पहलवान, लगाई न्याय की गुहार

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ देश के नामी पहलवानों ने एक बार फिर मोर्चा खोल दिया है। ताजा मामले में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के जंतर मंतर पर धरने पर बैठीं महिला पहलवान विनेश फोगट और सात अन्य पहलवानों ने भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।

साथ ही यह भी कहा गया है कि 21 अप्रैल को दिल्ली के कनॉट प्लेस थाने में शिकायत देने के बावजूद मामले की एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। जंतर-मंतर पर धरने पर बैठे पहलवान बजरंग पुनिया ने कहा, 'अभी शिकायत किए हुए 48 घंटे से ज्यादा हो गया मगर अभी तक मामले की एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। इस

बार के धरना प्रदर्शन में सभी दलों का स्वागत है। कोई भी पार्टी (भाजपा, कांग्रेस, आप) आए, सभी का स्वागत है।

वहीं, इसे लेकर दिल्ली पुलिस ने कहा कि भारतीय कुश्ती संघ के प्रमुख बृजभूषण सिंह के खिलाफ पहलवानों के विरोध के बीच पुलिस ने उनकी(प्रदर्शन कर रहे पहलवानों की) शिकायत पर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने इस संबंध में खेल मंत्रालय द्वारा गठित जांच समिति से रिपोर्ट भी मांगी है। इससे पहले राजनीति से प्रेरित होकर धरना देने के सवालों के जवाब में विनेश ने कहा था कि हम भारत की कुश्ती को बचाने आए हैं। हमे कोई रजनीति नहीं करनी है। वहीं, साक्षी ने कहा था कि यह कोई आम बात नहीं है कि किसी पर यौन शोषण के आरोप लगाए जा रहे हैं और तीन महीने से सिर्फ जांच ही चल रही है। दो दिन में इस पर कार्रवाई की जानी चाहिए थी। बता दें कि सात मई को कुश्ती संघ के चुनाव होने है। ऐसे में इससे 15 दिन पहले पहलवानों का धरने पर कुछ लोग सवाल उठा रहे हैं। हालांकि पहलवान उनके विरोध को राजनीतिक चश्मे न देखने की अपील कर रहे हैं।

दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर जल्द शुरू होगा देश का पहला एलिवेटेड टैक्सी-वे

नई दिल्ली। दिल्ली एयरपोर्ट पर अभी कई अहम निर्माण हो रहे हैं। इसमें सबसे बड़ा निर्माण एलिवेटेड टैक्सी-वे का हो रहा है। यह भारत का पहला एलिवेटेड टैक्सी-वे है। माना जा रहा है कि यह सितंबर से शुरू हो सकता है। एलिवेटेड टैक्सी-वे टर्मिनल-1 व टर्मिनल-3 को आपस में जोड़ने का कार्य करेगा। इसके शुरू होने से टर्मिनल-3 में अधिक विमानों की आवाजाही हो सकेगी। कई बार पर्याप्त जगह के अभाव में विमानों को उड़ान भरने में विलंब की समस्या का सामना करना पड़ता है, क्योंकि टैक्सी-वे पर जगह नहीं मिलने के कारण विमानों को टर्मिनल के पास खड़ा किया जाता है। इससे विमानों के आवागमन में दिक्कत होती है। साथ ही ये एलिवेटेड टैक्सी-वे टर्मिनल 1 व टर्मिनल 3 को आपस में जोड़ने का कार्य करेगा। आईजीआई पर बन रहे इस नए टैक्सी-वे की लंबाई 1.8 किमी और चौड़ाई 203 मीटर होगी। यह टैक्सी-वे एक 8 मीटर ऊंचे पुल पर होगा। सूत्रों की मानें तो बीसीएएस और डीजीसीए के इंजीनियरों ने इस टैक्सी-वे की जांच शुरू कर दी है और इसी से उम्मीद लगाई जा रही है कि सितंबर में इसको खोल दिया जाए।

यह होंगे टैक्सी-वे के फायदे

नया टैक्सी वे विमानों के खड़े होने की जगह की किल्लत को काफी हद तक कम करने में सहायक होगा। अभी आइजीआइ के रनवे संख्या 29/11 से विमान को उड़ान भरने के लिए 9 किलोमीटर की लंबी दूरी तय करनी होती है। नए टैक्सी-वे के शुरू होने के बाद यह दूरी काफी कम हो जाएगी। रनवे पर उतरने या उड़ान भरने के दौरान विमानों के संचालन समय मे कमी आएगी। इसके अलावा इंधन की खपत में काफी कमी होगी। इससे कार्बन उत्सर्जन भार को और कम किया जा सकेगा। जीएमआर समूह के उप प्रबंध निदेशक आई प्रभाकर राव ने बताया कि डायल द्वारा एयरपोर्ट पर पर्यावरण सुरक्षा के लिए के नए पहल किये जा रहे हैं। पिछले साल शुरू होना था टैक्सी-वे बता दें कि इस टैक्सी-वे का निर्माण पिछले साल तक पूरा होने था, लेकिन कोरोना महामारी के चलते इसके निर्माण के में काफी देर हुई है।

जानकारी के अनुसार, आईजीआई पर बन रहे टैक्सी-वे जैसे टैक्सी-वे का निर्माण दुनिया भर के कई देश अपने हवाई अड्डों पर कर चुके हैं। इन सभी स्थानों पर सुरक्षित कारकों का अध्ययन कर इसका निर्माण यहां किया गया है।

कोंडली नहर में डूबने से युवती की मौत, आत्महत्या की आशंका

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के कोंडली नहर में डूबने से 18 वर्षीय युवती स्वाति की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार युवती ने आत्महत्या करने के लिए नहर में छलांग लगाई थी। बोट क्लब की टीम ने युवती को नहर में से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची न्यू अशोक नगर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृतक युवती के पिता का नाम पवन झा है, जो न्यू अशोक नगर राम मंदिर के पास रहते हैं। मृतक युवती को

मानसिक रूप से बीमार बताया जा रहा है, जिसका अस्पताल में उपचार चल रहा था। युवती रात को नहर में कूदी थी। सुबह परिजनों को नहर के बाहर उसकी चप्पलें मिली, जिसके बाद उसे रेस्क्यू किया गया।

सिडनी क्रिकेट मैदान के एक गेट का नाम सचिन हुआ

अब भी करोड़ों की कमाई कर रहे सचिन

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को संन्यास लिए एक दशक हो गया है। 24 साल के सबसे लंबे अंतराष्ट्रीय करियर वाले सचिन अब 50 साल के हो गए है। उन्होंने अपने करियर में कई रिकॉर्ड बनाए हैं। खेल को अलविदा कहने के बाद भी सचिन कमाई के मामले में काफी आगे हैं। वह नाम कंपनियों के ब्रांड एंडोर्समेंट सहित अन्य कई साधनों से करोड़ों रुपये कमा रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार सचिन की कुल कमाई करीब 175 मिलियन डॉलर यानी 1436 करोड़ रुपये है। सचिन के संन्यास के बाद भी बड़े-बड़े ब्रांड अभी भी उनके नाम पर भरोसा करते हैं और उन्हें अपने विज्ञापनों में लेने को तैयार रहते हैं। सचिन को अवीवा , पेप्सी सहित कई नाम कंपनीयों के विज्ञापन में देखा जाता है। इसके अलावा जियो सिनेमा के भी वह ब्रांड एंबेसडर हैं। सचिन के पास मुंबई के पॉश बांद्रा इलाके में एक आलीशान बंगला है, जिसकी कीमत तकरीबन 100 करोड़ रुपये बताई जाती है। इसके अलावा उनके पास केरल में भी एक बंगला है। वहीं मुंबई के बांद्रा के कुर्ला कॉम्प्लेक्स में उनके पास एक लग्जरी फ्लैट भी है। उनके पास बीएमडब्ल्यू सहित एक से बढ़कर एक महंगी और लग्जरी कारें हैं।

सिडनी ।(एजेंसी)

सिडनी क्रिकेट मैदान (एससीजी) ने महान भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के 50वें जन्मदिन पर उनके प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए एक गेट का नाम सचिन कर दिया है। इससे पहले महान भारतीय बल्लेबाज तेंदुलकर ने विदेशी धरती पर एससीजी को अपना पसंदीदा क्रिकेट मैदान बताया था। तेंदुलकर ने एससीजी द्वारा जारी बयान में कहा, 'भारत के बाहर सिडनी क्रिकेट मैदानमेरा पसंदीदा मैदान रहा है। ऑस्ट्रेलिया के 1991-92 में मेरे पहले दौरे से ही लेकर एससीजी से मेरी कुछ खास यादें जुड़ी हैं। उन्होंने एससीजी में पांच टेस्ट मैचों में 157 की औसत से 785 रन बनाए जिसमें उनका सबसे अधिक स्कोर नाबाद 241 रन रहा है।

एससीजी में इससे पहले वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज ब्रायन लारा के 277 रन की पारी के 30 साल पूरे होने पर भी उनके नाम के एक गेट का अनावरण किया गया था। इन दोनों गेट का अनावरण एससीजी के अध्यक्ष रॉड मैकगियोच और सीईओ केरी माथेर तथा क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ निक हॉकले ने किया। ऐसे में खिलाड़ी अब लारा-तेंदुलकर गेट से मैदान में प्रवेश करेंगे।

इन दोनों ही गेट पर एक पट्टिका भी लगाई गई है जिस पर इन दोनों खिलाड़ियों की उपलब्धियां और एससीजी में उनके रिकॉर्ड के बारे में बताया गया है। तेंदुलकर ने कहा, 'यह बड़े सम्मान की बात है कि एससीजी पर प्रवेश करने के लिए खिलाड़ी उस गेट का उपयोग करेंगे जिसका नाम मेरे और मेरे अच्छे दोस्त ब्रायन के नाम पर रखा गया है। मैं इसके लिए एससीजी और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का आभारी हूं। जल्द ही एससीजी का दौरा करूंगा। लारा ने कहा, 'मैं सिडनी क्रिकेट ग्राउंड से मिली इस मान्यता से बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं और मुझे पूरा विश्वास है कि सचिन भी ऐसा महसूस कर रहे होंगे।

आईपीएल में आज होगा गुजराज टाइटंस और मुंबई इंडियंस का मुकाबला

अहमदाबाद ।(एजेंसी)

गुजरात टाइटंस की टीम मंगलवार को अपने घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। इस मैदान पर उसे घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा पर मुम्बई के सामने उसकी राह आसान नहीं रहेगी। गुजरात की टीम आईपीएल के अपने इस दूसरे सत्र में उस प्रकार से नहीं खेल पायी है जैसा उसने पिछले साल पदार्णण के समय खेला था। इस बार टीम के गेंदबाज डेथ ओवरों में भी प्रभावी नहीं दिखे जिससे वह अपने स्कोर का बचाव नहीं कर पा रही। वहीं दूसरी ओर पिछले मैच में पंजाब किंग्स से हार के कारण मुंबई इंडियंस का मनोबल गिरा हुआ है। ऐसे मे उसका लक्ष्य इस मैच में गुजरात टाइटंस को हराकर जीत की राह पर वापसी करना रहेगा। मुंबई ने इस सत्र में खराब शुरुआत के बाद लगातार तीन मैच जीते थे पर पिछले मैच में उसे पंजाब से 13 रन से हार का मिली थी। इस मैच में मुंबई के गेंदबाजों ने अंतिम पांच ओवर में 96 रन लुटा दिए जिससे पंजाब आठ विकेट पर 214 रन बनाने में सफल रहा। ऐसे में अब गुजरात के खिलाफ मुकाबले से पहले मुंबई को अंतिम ओवरों में विरोध बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना होगा। मुंबई के तेज गेंदबाजों अर्जुन तेंदुलकर, जेसन बेहरेनडॉर्फ, कैमरन ग्रीन और जोफ्रा आर्चर में से प्रत्येक के खिलाफ पंजाब के मैच में 40 से अधिक रन गये थे। केवल अनुभवी स्पिनर पीयूष चावला और उनके युवा ऋतिक शौकीन ने अच्छी गेंदबाजी की थी। मुंबई की बल्लेबाजी हालांकि अच्छी है। टीम के कप्तान रोहित शर्मा और ईशान किशन ने जहां टीम को अब तक अच्छी शुरुआत दी है। वहीं आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव के फार्म में आने से भी टीम का मध्यक्रम बेहतर हुआ है। इसके अलावा ऑलराउंडर कैमरुन ग्रीन और टिम डेविड ने भी अब तक अच्छी बल्लेबाजी की है। वहीं गुजरात का गेंदबाजी आक्रमण भी बेहतर है और ऐसे में मुंबई के बल्लेबाजों के लिए रन बनाना आसान नहीं रहेगा। गुजरात के गेंदबाजों पर हालांकि इस मैच में दबाब रहेगा क्योंकि सत्र में स्कोर का बचाव नहीं करने के लिए उसकी आलोचना हो रही थी पर लखनऊ सुपरजाइंट्स के खिलाफ पिछले मैच में उन्होंने डेथ ओवरों में शानदार गेंदबाजी की थी। इस मैच में गुजरात की जीत में अनुभवी मोहित शर्मा की अहम भूमिका रही। इस मैच में लखनऊ ने 136 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 14 ओवर में एक विकेट पर 105 रन बनाए थे लेकिन मोहित की शानदार गेंदबाजी से गुजरात यह मैच जीतने में सफल रहा। मोहित ने अंतिम ओवर में 12 रन नहीं बनने दिये।। मोहित ने जहां गुजरात की ओर से शानदार प्रदर्शन किया है वहीं अनुभवी मोहम्मद शमी ने भी विकेट लेकर उनका साथ दिया। कप्तान हार्दिक पांड्या अब तक गेंदबाजी में विफल रहे हैं और उनके नाम केवल एक विकेट है। टीम के पास राशिद खान जैसा अच्छा स्पिनर है। राशिद के अलावा टीम के पास नूर अहमद और जयंत यादव भी शामिल हैं। पिछले मैच में जयंत ने अपने अंतिम दो ओवरों में केवल सात रन दिए थे जबकि नूर अहमद ने अपने आखिरी दो ओवर में पांच रन देकर दो विकेट लिए थे। बल्लेबाजी की बात करें तो रिद्धिमान साहा और शुभमन गिल शीर्ष क्रम में अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं जबकि पिछले मैच में कप्तान हार्दिक पंड्या ने सबसे अधिक रन बनाये थे। गुजरात को मध्य के ओवर में डेविड मिलर से तेजी से रनों की उम्मीद रहेगी। वहीं मुम्बई की बल्लेबाज रोहित , इशान और तिलक जैसे बल्लेबाजों पर आधारित रहेगी। गेंदबाजी की कमान रिले मेरेडिथ , पीयूष चावला पर रहेगी। ऑलराउंडर अर्जुन तेंदुलकर भी इस मैच में अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे।

राणा ने बताया केकेआर की हार का कारण

कोलकाता । आईपीएल मुकाबले में अपने घरेलू मैदान पर मिली करारी हार से निराश कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान नीतिश राणा ने कहा है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) जैसे टीम के खिलाफ गलती कर कोई भी टीम नहीं जीत सकती है। इस मैच में केकेआर जीत के लिए मिले लक्ष्य को हासिल नहीं कर पायी। हार के बाद कप्तान राणा ने कहा कि हमारी टीम बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए पावरप्ले में अधिक रन नहीं बना पाई। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमारी टीम ने इतनी बड़ी टीम के आगे काफी गलतियां की, जिसका परिणाम मैच में हार के साथ ही सामने आया। नीतिश राणा ने कहा, यह हार स्वीकार करना कठिन है। उन्होंने कहा कि अगर आप पावरप्ले में अच्छा नहीं करते हैं तो 236 रनों का पीछा करना हमेशा ही मुश्किल होता है। उन्होंने सीएसके की जीत का श्रेय अजिंक्य रहाणे को दिया है। उन्होंने कहा, यह पचा पाना मुश्किल है कि हमने हमने इतना बड़ा स्कोर बनने दिया। इसके बाद भी हमारे पास कुछ सकारात्मक चीजे हैं पर अगर आप नहीं सुधरे तो हारते रहेंगे। रहाणे और शिवम के अर्धशतक से सीएसके ने इस केकेआर को 49 रन से हराकर अंक तालिक में शीर्ष स्थान हासिल किया है।

यूएई ने सिंगापुर को 201 रनों से हराया

काठमांडू ।(एजेंसी)

मोहम्मद वसीम 160 और वृत्य अरविंद के 174 रनों की सहायता से एसीसी प्रीमियर लीग क्रिकेट में यूएई ने सिंगापुर को 201 रनों से हरा दिया। इस मैच में यूएई की टीम ने सिंगापुर के खिलाफ पहले खेलते हुए 471 रन बनाये। इसके बाद सिंगापुर को 270 रन पर रोककर उसने 201 रन की बड़ी जीत हासिल की।

सिंगापुर की ओर से कप्तान मनप्रीत सिंह और थिलिपन ओमैदुरई ने अर्धशतक लगाए पर वह टीम को जीत दिलाने में सफल नहीं रहे। इस प्रारुप में अभी तक सबसे ज्यादा 498 रनों का रिकार्ड इंग्लैंड के नाम हैं। इस मैच में यूएई का पहला विकेट तीसरे ओवर में ही गिर गया। आर्यन लाकड़ा 12 रन बनाकर पेवेलियन लौट गए।

इसके बाद मोहम्मद वसीम और अरविंद ने 246 रन की साझेदारी बनायी। वसीम ने जहां 82 गेंदों में नौ चौके और 16 छक्कों की मदद से 160 रन बनाए जबकि अरविंद ने 133 गेंदों में 17 चौके और सात छक्कों की सहायता से 174 रन बनाये।

मध्यक्रम में आयान अफजल खान ने 50 गेंदों में नौ चौके और 3 छक्कों की सहायता से 74 रन बनाए। इस प्रकार यूएई का स्कोर 471 तक पहुंच गया। सिंगापुर ने यूएई के बल्लेबाजों पर अकुश के लिए आठ गेंदबाजों का इस्तेमाल किया था। इसमें भार्गव ने चार विकेट लिए थिलिपन ओमैदुरई ने नौ ओवर में 90 रन दे दिए। भास्करन ने 61 रन देकर दो तो कालीमुथु रमेश ने 73 रन देकर तीन विकेट लिए। जवाब में खेलने उतरी सिंगापुर की ओर की शुरूआत खराब रही। रोहन रंगाराजन 2 तो अरित्रा दत्ता 38 रन ही बना सके। कप्तान मनप्रीत सिंह और थिलिपन ओमैदुरई ने अर्धशतक लगाए पर अन्य बल्लेबाजा नाकाम रहे।

मेरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन आना अभी शेष : रहाणे

कोलकाता ।(एजेंसी)

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से शानदार बल्लेबाजी करने वाले अजिंक्य रहाणे अब बेहद उत्साहित हैं। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ टीम को मिली जीत में रहाणे की आक्रामक पारी की अहम भूमिका रही। रहाणे का कहना है कि उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन आना अभी शेष है। सीएसके की पीली जर्सी पहनते ही रहाणे एकदम बदले-बदले दिखे। उन्होंने 19 गेंदों में अर्धशतक के साथ ही अंतिम ग्यारह में अपनी जगह पक्की की है। उन्होंने 5 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 29 गेंदों में 71 रनों की पारी खेली।रहाणे की इस पारी के दम पर चेन्नई सुपर किंग्स ने ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ को 49 रन से हरा दिया। आईपीएल के इस सत्र में यह रहाणे का दूसरा अर्धशतक है। इससे पहले उन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 71 रन की पारी खेली थी। उन्होंने आईपीएल के इस सत्र में अबतक 199.04 की औसत से 209 रन बनाये हैं।रहाणे ने कहा कि वह सीएसके की ओर से अपनी बल्लेबाज का आनंद ले रहे हैं पर उनका अभी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अभी बचा है। रहाणे ने कहा, अगर आपका दिमाग सही है तो आप ठीक रहेंगे। मैं सिर्फ अपने खेल का आनंद उठाने की कोशिश कर रहा हूं। एक बार जब आप अंदर आ जाते हैं तो आपके पास अच्छा मौका होता है। हमारी शुरुआत शानदार रही और उसके बाद मैं अपने शॉट खेलना चाहता था और गति बनाए रखना चाहता था। मैंने अब तक अपनी सभी पारियों का आनंद लिया है, मुझे अभी भी लगता है कि सर्वश्रेष्ठ आना अभी बाकी है। रहाणे ने सालों बाद आईपीएल में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में खेलने के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, यह सीखने का अच्छा अवसर है। मैंने कई वर्षों तक भारत के लिए माही भाई के नेतृत्व में खेला है, और अब सीएसके में भी यह शानदार अवसर रहा। यदि आप उनकी कही हर बात को सुनते हैं, तो आप ज्यादा बेहतर प्रदर्शन करेंगें। उन्होंने आगे कहा, सीएसके में मुझे खेलने का मौका मिला है. जब सीएसके ने मुझे चुना तो मैं बहुत खुश था। जब आप माही भाई के नेतृत्व में खेलते हैं, तो आपको बहुत कुछ सीखने का मौका मिलता है। एक खिलाड़ी के रूप में और एक बल्लेबाज के रूप में, आप हमेशा एक क्रिकेटर के रूप में सुधार करने और बढ़ने की कोशिश करते हैं। सीएसके ने मुझे जो मौका दिया, उसके कारण मैं यह दिखा सका कि मेरे पास कौन से शॉट्स हैं।

काउंटी में पुजारा के खराब प्रदर्शन से भारतीय टीम प्रबंधन भी परेशान

मुम्बई । टीम इंडिया के टेस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा अभी इंग्लैंड में काउंट क्रिकेट खेल रहे हैं। पुजारा यहां काउंटी टीम ससेक्स की कप्तानी कर रहे हैं। पुजारा इस मैच में बल्लेबाजी में विफल रहे हैं। पुजारा दोनो ही पारियों में 20 रन भी नहीं बना पाये। भारतीय टीम को इस साल जून में इंग्लैंड में ही ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल खेलना है। उससे पहले पुजारा की इस नाकामी से टीम प्रबंधन की चिन्ताएं बढ़ गयी हैं। भारतीय प्रबंधन उम्मीद कर रहा है कि काउंटी क्रिकेट से वह इंग्लैंड के माहौल में ढलकर विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। पुजारा काउंट टीम योर्कशायर के खिलाफ पहली पारी में 49 गेंद पर 18 रन और दूसरी पारी में 20 गेंद पर केवल 13 रन ही बनाकर पेवेलियन लौटे। पुजारा ने इससे पहले कांउटी में डरहम के खिलाफ 115 और 35 रन बनाए थे। ससेक्स ने यह मुकाबला 2 विकेट से जीता भी था। पुजारा ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 57 शतक और 75 अर्धशतक बनाये हैं। उन्होंने कुल 18 हजार से अधिक रन बनाये हैं। इसमें 352 रनों की बड़ी पारी भी शामिल है। वहीं पुजारा ने टेस्ट में 102 मैच में 19 शतक और 35 अर्धशतक लगाकर 7154 रन बनाए हैं।

संक्षिप्त समाचार

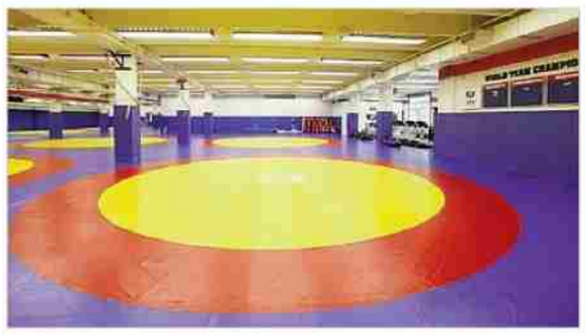

खेल मंत्रालय ने भारतीय कुश्ती महासंघ के चुनाव पर रोक लगायी

नई दिल्ली । दिल्ली के जंतर-मंतर पर ओलंपियन पहलवानों के भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ धरने के बाद खेल मंत्रालय ने महासंघ के चुनानों पर फिलहालपर रोक लगा दी है।कुश्ती महासंघ के ये चुनाव 7 मई को होने वाले थे। गौरतलब है कि बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ कार्रवाई पर पहलवान अड़े हुए हैं। इस मामले को लेकर पहलवानों ने पहले भी धरना दिया था। तीन माह पहले भी जंतर-मंतर पर विनेश फोगाट, बजरंग पुनिया, साक्षी मलिक समेत कई दिग्गज पहलवान एकत्र हुए थे। ब्रजभूषण पर पहलवानों ने यौन शोषण, तानाशाही-मनमानी, अपशब्दों का प्रयोग, मानसिक प्रताड़ना के साथ ही धमकाने के आरोप लगाये हैं। गाट ने कहा कि जैसे की आप सब जानते हैं कि तीन महीने पहले हमने रेसलिंग फेडरेशन के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आवाज उठाई थी। तब सरकार ने एक कमेटी बनाई थी और 4 हफ्ते का समय मांगा था पर 3 महीने बीत जाने के बाद भी कोई परिणाम नहीं निकला गए, हमें इंतजार करते हुए, हमारे साथ आज भी न्याय नहीं हुआ है। दो दिन पहले हम पुलिस स्टेशन गए थे। जहां 7 लड़कियों ने बृजभूषण के खिलाफ कार्रवाई करने की शिकायत दी है पर अब तक प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई है।

अगले मैच में वापसी के लिए तैयार हैं : सैमसन

जयपुर । रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के हाथों सात रनों से मिली हार के बाद राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने ने कहा है कि अब हम अगले मैच में अच्छी वापसी का प्रयास करेंगे। राजस्थान को इस मुकाबले में सात रनों से हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए रॉयल्स को जीत के लिए 190 रनों का लक्ष्य दिया जिसके जवाब में राजस्थान की टीम 20 ओवर में 6 विकेट पर 182 रन ही बना पाई। राजस्थान को आखिरी ओवर में जीत के लिए 20 रन बनाने थे पर उसके बल्लेबाजी इस ओवर में केवल 12 रन ही बना पाये। सैमसन ने कहा कि शेमरोन हेटमायर का आज दिन नहीं था, इसलिए वह असफल रहे। इसके साथ उन्होंने कहा कि इस हार के बाद वह मजबूती से वापसी करने के लिए तैयार हैं। सैमसन ने कहा, मुझे लगता है कि जब आप इस मैदान पर खेल रहे होते हैं, तो एक ओवर में 10 से 13 रनों का पीछा किया जा सकता है। यह आम तौर पर गति प्राप्त करने के बारे में है। हेटमायर हमारे लिए तेजी से रन बनाते हैं पर आज उनका दिन नहीं था। आर रविचंद्रन अश्विन ने अपने अनुभव के साथ पिछले कुछ मैचों में दबाव के क्षणों में अच्छा प्रदर्शन किया है। आईपीएल के खेल में जीत और हार बहुत कम अंतर से होती है। अगर हमें दो लगातार हार का सामना करना पड़ा, तो हमें कमर कसने की जरूरत है और अगले गेम में मजबूत वापसी करने की जरूरत है।

सीएसके की ओर से सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले तीसरे बल्लेबाज बने शिवम

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

ऑलराउंडर शिवम दूबे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सबसे तेजी से अर्धशतक लगाने वाले सीएसके के बल्लेबाज बने हैं। शिवम ने सीएसके की ओर से तीसरा सबसे तेज अर्धशतक लगाया। इस आक्रामक बल्लेबाज ने यहां ईडन गार्डन में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ पारी के दौरान ये रिकार्ड बनाया। की। इस मैच में शिवम ने केवल 21 गेंदों में ही 50 रन बना दिये। इस पारी में शिवम ने कुल दो चौके और पांच छक्के लगाये। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 238.10 रहा। शिवम ने इस सत्र में सीएसके की ओर से कुछ अहम पारियां खेली हैं। उन्होंने छह पारियों में 30.66 की औसत से कुल 184 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 52 के स्कोर के साथ दो अर्धशतक लगाये हैं। इस सीजन में उनका स्ट्राइक रेट 157.26 रन रहा है। सीएसके की ओर से सबसे तेज अर्धशतक को रिकार्ड सुरेश रैना के नाम है। रैना ने साल 2014 में पंजाब किंग्स के खिलाफ केवल 16 गेंदों में ये बनाया था। वहीं दूसरे नंबर पर मोइन अली और अजिंक्य रहाणे हैं। इन दोनो ने ही राजस्थान रॉयल्स साल के खिलाफ 19 गेंदों में अर्धशतक लगाये थे। धोनी ने एमआई के खिलाफ और अंबाती रायडू ने भी एमआई के खिलाफ ही 20 गेंदों में अर्धशतक लगाये थे।

50 साल के हुए सचिन, दुनिया भर से मिली शुभकामनाएं

मुंबई । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर आज सोमवार को 50 साल के हो गए हैं। सचिन को उनके जन्मदिन पर साथी खिलाड़ियों के साथ ही दुनिया भर के अपने प्रशंसकों और खेल हस्तियों ने शुभकामनाएं दीं। सचिन ने अपने पूरे करियर में सबसे अधिक रनों और शतकों के साथ ही करीब दो दशक से अधिक समय तक खेलकर जो विश्व रिकार्ड बनाया है उसके करीब भी अन्य खिलाड़ी नहीं पहुंच पाये हैं। तेंदुलकर ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान 664 मैच खेलकर सभी प्रारूपों में कुल मिलाकर 34,357 रन बनाए हैं। वह इतिहास में एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने टेस्ट में 51 और एकदिवसीय में 49 सहित कुल 100 अंतरराष्ट्रीय शतक बनाये हैं। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 200 मैचों में 15,921 रनों के साथ ही सबसे अधिक रन बनाये हैं। उन्होंने इसके साथ ह अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में कुल 264 छक्के भी लगाए हैं। करीब 10 साल पहले क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद भी उनकी लोकप्रियता और ब्रांड वैल्यू पहले की तरह ही है। तेंदुलकर का जन्म 24 अप्रैल 1973 को मुंबई में हुआ था। टेस्ट और एकदिवसीयअंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सबसे अधिक मैच खेलने के मामले में भी सचिन शीर्ष पर हैं। दाएं हाथ के बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 34357 रन बनाए हैं। उनके बाद दूसरे नंबर के खिलाड़ी श्रीलंका के कुमार संगकारा के 28016 रन हैं। इस तरह पहले और दूसरे नंबर के बीच 6 हजार से ज्यादा रनों का अंतर है। इसके अलावा मौजूदा समय में विराट कोहली ही एकमात्र सक्रिय क्रिकेटर हैं, जिन्होंने 25 हजार से ज्यादा रन बनाए हैं। ऐसे में अभी अगले कुछ साल तक सचिन का रिकार्ड टूटना असंभव है। सबसे ज्यादा शतकों की बात करें तो सचिन ने 100 शतक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगाये हैं। दूसरे नंबर पर इस सूची में विराट हैं, जिन्होंने अब तक 75 शतक हैं। इसके अलावा एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 463 मैच और टेस्ट क्रिकेट में 200 मैच खेलने का विश्व रिकॉर्ड भी सचिन के ही नाम है।

पीएम मोदी, सीएम योगी 29 अप्रैल को बेलागावी आएंगे

हुबली, 24 अप्रैल (एजेन्सी)। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सोमवार को घोषणा की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव में प्रचार अभियान के लिए 29 अप्रैल को कर्नाटक के बेलगावी जिले में पहुंचेंगे। भाजपा ने टिकट नहीं मिलने से नाराज अपने वरिष्ठ लिंगायत नेताओं के कांग्रेस में शामिल होने के मद्देनजर उत्तर कर्नाटक में बड़े कार्यक्रमों की योजना बनाई है।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा, मैंने प्रधानमंत्री मोदी के साथ बेलगावी की एक और यात्रा के लिए अनुरोध किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार शाम को हुबली का दौरा कर रहे हैं और जिला पदाधिकारियों और मंडल अध्यक्षों के साथ बैठक करेंगे। वह धारवाड़ और गडग जिलों में जीतने के लिए रणनीति पर मार्गदर्शन करेंगे।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि मोदी और योगी बेलगावी के कुदाची कस्बे का दौरा करेंगे।

जिले में 18 विधानसभा सीटें हैं और पिछले चुनाव में भाजपा ने 13 पर जीत हासिल की थी।

इन चुनावों में पार्टी जिले में अपनी स्थिति सुधारना चाहती है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि पूर्व मुख्यमंत्री लक्ष्मण सावदी के पार्टी छोड़ने के प्रभाव को निष्क्रिय करने के लिए वह पूरी रणनीति बनाकर मुकाबला करना चाहती है।

बेलगावी जिले से ताल्लुक रखने वाले सावदी अथानी निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार के भाजपा से बाहर निकलने के बारे में प्रह्लाद जोशी ने कहा कि पार्टी हुबली-धारवाड़ केंद्रीय विधानसभा सीट जीतने जा रही है, जिसका प्रतिनिधित्व पहले शेट्टार करते थे।

उन्होंने कहा, पार्टी बड़े बहुमत से जीतने जा रही है। शेट्टार के भाजपा से बाहर निकलने का कोई प्रभाव नहीं है। हमने उनसे कहा कि वह एक पुराने खिलाड़ी हैं और उन्हें सेवानिवृत्त हो जाना चाहिए। लेकिन, वह दूसरी टीम के लिए खेलने चले गए। लेकिन, कप हम ही जीतेंगे।

राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बी.एल. संतोष ने कहा कि यह फैसला उच्च स्तर पर लिया गया है।

उन्होंने कहा लिंगायत समुदाय हमारे लिए एक हथियार नहीं है। कांग्रेस पार्टी ने लिंगायतों का अपमान किया है। अगर राहुल गांधी में इतना प्यार है, तो उन्हें घोषणा करनी चाहिए कि लिंगायत समुदाय के नेता को मुख्यमंत्री बनाया जाएगा।

राहुल गांधी के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कि वह ऑपरेशन लोटस नहीं होने देंगे, जोशी ने कहा कि भाजपा बहुमत हासिल करने जा रही है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, हमने लिंगायत समुदाय के तीन उम्मीदवारों को मुख्यमंत्री बनाया है। इस बार हम स्थिति का विश्लेषण करने के बाद नेतृत्व पर फैसला करेंगे। हम मुख्यमंत्री बोम्मई के मार्गदर्शन में चुनाव में उतरेंगे।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना की धीमी चाल, अब तक सिर्फ 30 फीसद काम

मुंबई, 24 अप्रैल (एजेन्सी)। बहुप्रतिक्षित मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना रफ्तार नहीं पकड़ पा रही है। गौरतलब है कि परियोजना पर पांच साल से काम हो रहा है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 31 मार्च तक इस पर केवल 30.15 प्रतिशत काम हुआ है।

गुजरात की ओर 35.23 प्रतिशत काम हो चुका है, जबकि महाराष्ट्र की ओर तस्वीर निराशाजनक है। अभी मात्र 19.65 प्रतिशत काम हुआ है।

परियोजना पर लगभग 56.34 प्रतिशत सिविल कार्य पूरा कर लिया गया है और अब तक 272.89 किमी पर ढेर का काम किया गया है।

रेल मंत्रालय ने हाल ही में कहा कि 170.56 किमी पर घाट का काम किया गया है, लेकिन अब तक 45.40 किमी गर्डर्स लॉन्च किए गए हैं।

भारत की पहली मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना (एमएएचएसआर) या बुलेट ट्रेन, जिसकी अनुमानित लागत लगभग 1 लाख 8,000 करोड़ रुपये है, को अगस्त 2026 तक सूरत-बिलिमोरा (63 किमी) के बीच ट्रायल रन के लिए लक्षित किया गया है।

पूरे 508 किमी लंबे मुंबई-अहमदाबाद कॉरिडोर, जिसमें महाराष्ट्र में 156 किमी और गुजरात में 352 किमी शामिल हैं, के 2027 तक पूरा तरह चालू होने की संभावना है।

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के अनुसार, बुलेट ट्रेन 320 किमी प्रति घंटे की अधिकतम गति से चलेगी और मुंबई-अहमदाबाद के बीच की पूरी दूरी को केवल 127 मिनट में तय करेगी।

एमएएचएसआर में वायडक्ट्स (460 किमी) और पुल (9.22 किमी), सुरंग (25.87 किमी), तटबंधों / कटिंग (12.9 किमी) के माध्यम से 92 प्रतिशत हाई-स्पीड एलिवेटेड रेलवे ट्रैक शामिल हैं।

उत्तर की ओर मुंबई-ठाणे के बीच पर्यावरण-संवेदनशील ठाणे क्रीक से गुजरने वाला रेल गलियारा एक प्रमुख आकर्षण होगा, इसमें ठाणे क्रीक फ्लेमिंगो अभयारण्य (टीसीएफएस) शामिल है, जिसे अगस्त 2022 में रामसर साइट के रूप में नामित किया गया था।

टीसीएफएस स्थान पर राजहंस और आसपास के समृद्ध मैंग्रोव में अन्य वन्यजीवों को परेशानी से बचाने के लिए, एमएएचएसआर कॉरिडोर इस क्षेत्र में एक अंडरसीट सुरंग से गुजरेगा।

एमएएचएसआर के अनुसार, यह 13.2 मीटर व्यास की एक ट्यूब के साथ भारत की पहली अंडरसीट सुरंग और देश का सबसे लंबा रेल परिवहन मार्ग होगा।

बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स से शुरू होकर, बुलेट ट्रेन अंतिम गंतव्य, अहमदाबाद के साबरमती स्टेशन तक जाएगी।

यह गुजरात के आठ जिलों, महाराष्ट्र के तीन जिलों और केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव से होकर गुजरेगी।

बुलेट ट्रेन एक दर्जन स्टेशनों मुंबई-बीकेसी, ठाणे, विरार, बोईसर, वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आनंद, अहमदाबाद और साबरमती स्टेशनों पर रुकेगी।

जजों को लंबित मामलों पर चैनलों को इंटरव्यू देने का अधिकार नहीं : सीजेआई

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेन्सी)। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी.वाई. चंद्रचूड़ ने सोमवार को कहा कि न्यायाधीशों को उनके समक्ष लंबित मामलों पर समाचार चैनलों को साक्षात्कार देने का अधिकार नहीं है।

प्रधान न्यायाधीश और न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा ने तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी के संबंध में एक समाचार चैनल को कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति अभिजीत गंगोपाध्याय के साक्षात्कार पर कड़ी आपत्ति जताई। अभिषेक से संबंधित एक मामले की सुनवाई न्यायाधीश द्वारा की जा रही है।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा, न्यायाधीशों के पास टेलीविजन या किसी भी चैनल को उन मामलों पर साक्षात्कार देने का कोई अधिकार नहीं है, जो उनके पास लंबित हैं।

न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने पूछा, वे साक्षात्कार कैसे दे सकते हैं?

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एस.वी. राजू ने कहा कि यह बहुत बड़ा घोटाला है।

पीठ ने स्पष्ट किया कि वह घोटाले की जांच को नहीं छू रही है और अदालत ऐसा कोई आदेश पारित नहीं करेगी जो मामले की उचित जांच को रोके।

मुख्य न्यायाधीश ने राजू से कहा, सवाल यह है कि क्या एक न्यायाधीश साक्षात्कार दे रहा है और इस तरह के एक राजनीतिक व्यक्तित्व के बारे में खुद को अभिव्यक्त कर रहा है। मुख्य न्यायाधीश को मामले को किसी और को सौंप देना चाहिए। हमने आपको पहले ही बता दिया है कि हम इसके बारे में चिंतित क्यों हैं।

शीर्ष अदालत सीबीआई और ईडी द्वारा उनसे पूछताछ के उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ बनर्जी की अपील पर सुनवाई कर रही थी। न्यायाधीश के साक्षात्कार का प्रतिलेख अदालत में प्रस्तुत किया गया था।

शीर्ष अदालत ने इस मामले में कलकत्ता उच्च न्यायालय से एक रिपोर्ट भी मांगी और कहा कि उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल को निर्देश दिया जाता है कि वह व्यक्तिगत रूप से न्यायमूर्ति गांगुली से यह सत्यापित करें कि क्या उनका साक्षात्कार लिया गया था और उस घटना में स्पष्टीकरण दें।

पीठ ने कहा कि रजिस्ट्रार जनरल इस अदालत के रजिस्ट्रार न्यायिक के समक्ष शुक्रवार को हलफनामा दायर करें।

बनर्जी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने अदालत से न्यायमूर्ति गंगोपाध्याय के साक्षात्कार पर विचार करने का अनुरोध किया, जिसमें उन्होंने तृणमूल नेता के खिलाफ कथित तौर पर बात की थी।

उच्चतम न्यायालय ने 17 अप्रैल को कलकत्ता उच्च न्यायालय के उस आदेश पर रोक लगा दी थी, जिसमें तृणमूल कांग्रेस के निष्कासित नेता कुंतल घोष द्वारा लगाए गए आरोपों के मामले में सीबीआई और ईडी को पश्चिम बंगाल में सरकारी स्कूलों में टीचिंग और नॉन-टीचिंग स्टाफ की भर्ती में करोड़ों रुपये के घोटाले में बनर्जी से पूछताछ करने की अनुमति दी गई थी।

5 जवानों की शहादत के बाद एक्शन में भारतीय सेना, हिरासत में 40 से अधिक लोग

पुंछ/जम्मू, 24 अप्रैल (एजेन्सी)। जम्मू कश्मीर के पुंछ में आतंकवादी हमले में शामिल आतंकवादियों को पकड़ने के लिए चलाए जा रहे एक बड़े अभियान के तहत 40 से अधिक लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि बाटा डोरिया-तोता गली तथा पड़ोसी इलाकों में घेराबंदी और तलाश अभियान में तेजी लाने के लिए अतिरिक्त बलों को तैनात किया गया है। सोमवार को तलाश अभियान के चौथे दिन कई सुरक्षा एजेंसियों के शामिल होने के साथ पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर दी गयी है।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय राइफल्स इकाई द्वारा आयोजित इफ्तार के लिए अग्रिम इलाके के एक गांव में फलों और अन्य वस्तुओं को ले जा रहे ट्रक पर बृहस्पतिवार की शाम घात लगाकर हमला किया गया था, जिसमें सेना के पांच जवान शहीद हो गए और एक अन्य जवान गंभीर रूप से घायल हो गया।

अधिकारियों ने बताया कि जांच में पता चला है कि आतंकवादी ट्रक पर हमला करने से पहले भीम्बर गली-पुंछ सड़क मार्ग पर संभवत: एक पुलिया पर छिपे थे।

उन्होंने बताया कि ऐसा अंदेशा है कि एक हमलावर ने सामने से सेना के ट्रक को निशाना बनाया होगा और फिर उसके साथियों ने पीछे की तरफ से गोलीबारी की होगी तथा ग्रेनेड फेंके होंगे जिससे सैनिकों को जवाबी कार्रवाई का मौका नहीं मिला होगा।

अधिकारियों ने कहा, आतंकवादियों ने स्टील-कोर गोलियों का इस्तेमाल किया जो बख्तरबंद वाहन को भी भेद सकती हैं। भागने से पहले आतंकवादियों ने सैनिकों के हथियार और गोला बारूद भी चुराए।

उन्होंने बताया कि बख्तरबंद वाहन पर गोलियों के 50 से अधिक निशान मिले। उन्होंने बताया कि तलाश अभियान के दौरान जवानों को इलाके में कुछ प्राकृतिक गुफा वाले ठिकाने भी मिले जिनका संभवत: पहले आतंकवादियों ने इस्तेमाल किया होगा। सेना आईईडी की भी तलाश कर रही है। उसे आशंका है कि आतंकवादियों ने घने वन्य क्षेत्र में, खासतौर से गहरी खाइयों और गुफाओं में आईईडी लगा रखे होंगे।

आतंकवादी हमले के बाद वाहनों की आवाजाही के लिए बंद भीम्बर गली-पुंछ रोड को रविवार को यातायात के लिए फिर से खोल दिया गया।

सेना के उत्तरी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने रविवार को बताया कि जानलेवा हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों को पकड़ने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

हर प्रतिभाशाली खिलाड़ी को गुणवत्तापूर्ण खेल संसाधन देना हम सभी का दायित्व : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के हर प्रतिभाशाली खिलाड़ी को गुणवत्तापूर्ण खेल अवसंरचना प्रदान करने के लिए सोमवार को केंद्र और राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता जताई।

यहां आयोजित राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के युवा मामलों और खेल मंत्रियों के चिंतन शिविर को वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने पूर्वोत्तर के राज्यों में खेलों को बढ़ावा देने के लिए हो रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ये प्रयास खेल जगत में एक नए भारत की बुनियाद बनेंगे और देश को एक नयी पहचान भी देंगे।

इस आयोजन में भाग ले रहे विभिन्न प्रदेशों के खेल मंत्रियों से उन्होंने अपने-अपने राज्यों में भी खेल से जुड़ी अवसंरचनाओं व खेल गतिविधियों को और गति देने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के कितने ही खिलाड़ियों ने तिरंगे की शान बढ़ाई है और देश के लिए पदक जीते हैं।

उन्होंने कहा, देश की खेल परंपरा को आगे बढ़ाने में पूर्वोत्तर और मणिपुर का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। जिस तरह पूर्वोत्तर देश की सांस्कृतिक विविधता में नए रंग भरता है, उसी तरह देश की खेल विविधता को भी नए आयाम देता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक वर्ष में भारतीय खिलाड़ियों ने कई अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में अभूतपूर्व प्रदर्शन किया और इन उपलब्धियों का जश्न मनाने के साथ ही सभी को ये भी सोचना है कि कैसे खिलाड़ियों की और ज्यादा मदद की जा सकती है।

आगामी दिनों में आयोजित होने वाली विभिन्न अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, ऐसे आयोजनों में आपके मंत्रालय और आपके विभागों की तैयारियों की परीक्षा होनी है। ठीक है, खिलाड़ी अपनी तैयारी कर रहे हैं लेकिन अब खेल प्रतियोगिताओं को लेकर हमारे मंत्रालयों को भी अलग तरह से काम करना होगा।

उन्होंने प्रत्येक प्रतियोगिता के लिए अलग रणनीति बनाने, उसके हिसाब से संसाधन व प्रशिक्षण पर ध्यान देने और अल्पकालिक व दीर्घकालिक लक्ष्यों पर काम करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री ने कहा, अपने देश के हर प्रतिभाशाली खिलाड़ी को गुणवत्तापूर्ण खेल संसाधन देना हम सभी का दायित्व है। इसके लिए केंद्र सरकार और राज्य सरकार को मिलकर काम करना होगा।

उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया योजना ने जिला स्तर पर खेल संसाधन जरूर कुछ बेहतर किया है लेकिन अब इस प्रयास को ब्लॉक स्तर पर लेकर जाना है और इसमें निजी क्षेत्र समेत सभी हितधारकों की भागीदारी महत्वपूर्ण है।

मोदी ने राष्ट्रीय युवा महोत्सव का भी उल्लेख किया और इसे ज्यादा प्रभावी बनाने के लिए, नए सिरे से सोचे जाने की वकालत की।

उन्होंने कहा, राज्यों में जो इस तरह के कार्यक्रम होते हैं, वह सिर्फ औपचारिकता ना बनें। ये जरूर देखा जाना चाहिए। जब इस तरह के चौतरफा प्रयास होंगे, तभी भारत खेल के क्षेत्र में एक अग्रणी देश के रूप में स्थापित हो पाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि खेलों को लेकर आज पूर्वोत्तर में बड़ा काम हो रहा है और खेल संसाधन से जुड़ी 400 करोड़ से ज्यादा की परियोजनाएं इस क्षेत्र के विकास को नई दिशा दे रही हैं।

उन्होंने कहा, पूर्वोत्तर के हर जिले में कम से कम दो खेलो इंडिया केंद्र और हर राज्य में खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की जा रही है। ये प्रयास खेल जगत में एक नए भारत की बुनियाद बनेंगे, देश को एक नई पहचान देंगे। उन्होंने मंत्रियों से आग्रह किया कि वे भी अपने-अपने राज्यों में भी इस तरह के कार्यों को और गति दें।

सिक्कम के भ्रमण पर पहुंचे असम के छात्र

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 24 अप्रैल। असम के आर्य विद्यापीठ कॉलेज के बीस विद्यार्थियों का एक दल अपने शैक्षणिक भ्रमण पर सिक्किम पहुंचा है। इसके तहत ही आज इस दल ने ऑर्किड आईसीएआर एनआरसी, सिक्किम का दौरा किया। कॉलेज के प्रोफेसर डॉ नबीन सैकी के साथ असमिया छात्रों की इस यात्रा का उद्देश्य ऑर्किड, उनकी खेती, विविधताओं और संरक्षण प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करना है।

ऑर्किड आईसीएआर-एनआरसी वैज्ञानिक (मृदा विज्ञान) डॉ सिद्धार्थ शंकर विश्वास ने असमिया छात्रों की आगवानी की और उन्हें पिछले ढाई दशकों में संस्थान की संगठनात्मक संरचना, कार्यप्रणाली और उपलब्धि से अवगत कराया। उन्होंने छात्रों को पॉलीहाउस में ऑर्किड संरक्षण और खेती को दिखाया जहां आर्किड की वाणिज्यिक एवं प्राकृतिक प्रजातियां उगाई जाती हैं। इसके अलावा, उन्होंने आर्किड की किस्मों और उनके व्यावसायिक महत्व की भी जानकारी देते हुए आर्किड टिशू कल्चर प्रक्रिया से भी परिचित कराया।

ऑर्किड आईसीएआर-एनआरसी निदेशक डा एसपी दास ने आर्य विद्यापीठ कॉलेज, असम के विद्यार्थियों और शिक्षकों के साथ बातचीत की और ऑर्किड आईसीएआर-एनआरसी और आर्य विद्यापीठ कॉलेज, असम के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की प्रक्रिया के बारे में चर्चा की। इस समझौते का उद्देश्य आर्य विद्यापीठ कॉलेज, असम के छात्रों को ऑर्किड आईसीएआर-एनआरसी की शोध सुविधाओं से लाभान्वित करना है। साथ ही उन्होंने इस बात पर भी चर्चा की कि कैसे ऑर्किड आईसीएआर-एनआरसी की वैज्ञानिक जानकारी पूरे देश में आर्किड की खेती को लोकप्रिय बनाने में मदद कर सकती है।

विकास और तुष्टिकरण की सियासत के बीच मुकाबला : अमित शाह

गुंडलुपेट, 24 अप्रैल (एजेन्सी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि कर्नाटक में 10 मई को होने वाला विधानसभा चुनाव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विकास की राजनीति बनाम कांग्रेस की तुष्टिकरण की राजनीति के बारे में है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कर्नाटक में पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी और एक बार फिर भारत के दक्षिण में पार्टी के प्रवेश को मजबूत करेगी।

उन्होंने कहा, कांग्रेस आज भी तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। कांग्रेस द्वारा मुसलमानों को दिया गया चार प्रतिशत आरक्षण भाजपा ने समाप्त कर दिया है और उसने लिंगायत, वोक्कालिगा, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण बढ़ा दिया है।

चामराजनगर जिले के गुंडलुपेट में एक विशाल रोड शो करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए, पूर्व भाजपा प्रमुख ने कहा कि राज्य कांग्रेस अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने कहा था कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो वे एक बार फिर मुसलमानों के लिए आरक्षण लाएंगे।

शाह ने लोगों से पूछा क्या वे मुस्लिम आरक्षण वापस चाहते हैं? साथ ही उन्होंने कहा, मैं कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिवकुमार से पूछना चाहता हूं, आप एक बार फिर मुस्लिम आरक्षण लाने के बारे में बोल रहे हैं, लेकिन आप किसका हिस्सा कम करेंगे? कर्नाटक के लोगों को जवाब दें, क्या आप वोक्कालिगा या लिंगायत या एससी/एसटी के आरक्षण को कम करेंगे?

पार्टी के प्रमुख चुनावी रणनीतिकारों और प्रचारकों में से एक शाह ने कहा, यह चुनाव मोदी की विकास की राजनीति बनाम कांग्रेस की तुष्टिकरण की राजनीति के बारे में है।

कर्नाटक में चुनाव की घोषणा से ठीक पहले मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई के नेतृत्व में राज्य मंत्रिमंडल ने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) कोटा के तहत मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण को खत्म करने और इसे प्रमुख वोक्कालिगा और लिंगायत समुदायों के बीच समान रूप से वितरित करने का फैसला किया था।

कर्नाटक में भाजपा के पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने और

दक्षिण भारत में पार्टी के प्रवेश को एक बार फिर मजबूत करने का विश्वास जताते हुए शाह ने कहा, मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार बनेगी। मोदी और हमारे सीएम बोम्मई ने कर्नाटक की प्रगति के लिए काम किया है।

शाह ने लोगों से मौजूदा विधायक निरंजन कुमार को गुंडलुपेट से एक बार फिर बड़े अंतर से चुनाव जिताने और चामराजनगर जिले की सभी चार विधानसभा सीटों को भाजपा की झोली में डालने की अपील की।

केंद्रीय गृह मंत्री ने इससे पहले गुंडलुपेट में एक विशाल रोड शो किया। इस दौरान उन्होंने भारी भीड़ का हाथ हिलाकर कई बार अभिवादन भी किया।

मैसूर-कोडागु के सांसद प्रताप सिम्हा और अन्य नेताओं के साथ विशेष रूप से डिजाइन किए गए वाहन में खड़े शाह का सड़क के किनारे और आसपास की इमारतों पर जमा उत्साही भीड़ ने स्वागत किया, जिनमें से कई को भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा में नारे लगाते हुए देखा गया।

बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता भाजपा के झंडे लिए और नारे लगाते हुए शाह के वाहन के साथ चल रहे थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रक: नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com